cmyk

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 टॉम लैथम पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर... | सम्पादकीय | इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर... | हुरुन रिच लिस्ट : मुकेश अंबानी देश में सबसे अमीर 5

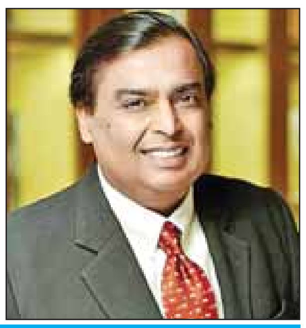

वर्ष 12 अंक 29 E-mail: dholpur@hotmail.com जयपुर, शुक्रवार 28 मार्च 2025 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

राजस्थान की 16 हजार खदानें बंद नहीं होंगी

सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मंजूरी की समय सीमा दो माह बढ़ाई

आर.एन.एस

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के 16 हजार खदान संचालकों को राहत देते हुए खनन की वैधता अवधि को दो माह के लिए बढ़ा दिया है। पहले यह अवधि 31 मार्च तय थी। लेकिन प्रदेश में 23 हजार खदानों में से करीब 16 हजार खदान संचालकों को अभी तक राज्य स्तर पर पर्यावरण मंजूरी नहीं मिली हैं।

ऐसे में राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में लंबित अपील में अंतरिम आवेदन दायर करके अतिरिक्त समय की मांग की थी। इस पर सुनवाई करते हुए सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने पर्यावरण मंजूरी लेने के लिए दो माह का अतिरिक्त समय दिया है।

दरअसल, इस मामले में राजस्थान सरकार को तब झटका लगा, जब हवज्ञ ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से समय सीमा बढ़ाने के लिए किए गए अनुरोध को अस्विकार कर दिया था। इसके बाद सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी।

एनजीटी ने 7 नवम्बर 2024 तक पर्यावरण मंजूरी नहीं लेने वाली खदानों को बंद करने के आदेश दिए थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने 12 नवम्बर 2024 को एनजीटी की इस समय सीमा को 31 मार्च 2025 तक बढ़ा दिया था।

सुप्रीम कोर्ट में अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने बताया कि प्रदेश में अभी तक 6,668 खानों को राज्य स्तर पर पर्यावरण मंजूरी मिल चुकी हैं। वहीं, 7,795 लीज धारकों ने अप्लाई कर रखा है। इनके आवेदन पेंडिंग हैं। वहीं, करीब साढ़े 8 हजार लीज धारकों ने आवेदन ही नहीं किया है।

सुप्रीम कोर्ट को तय करना है बिंदू उन्होंने बताया- एनजीटी ने अपने आदेश में कहा था कि जिला पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण द्वारा प्रदान की गई पर्यावरणीय स्वीकृति तब तक समाप्त मानी जाएंगी। जब तक कि उन्हें राज्य पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण द्वारा पुनः मूल्यांकित नहीं किया जाता है।

लेकिन यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, अब सुप्रीम कोर्ट को यह बिंदु तय करना है कि जिला स्तरीय प्राधिकरण स्वतंत्र रूप से पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान कर सकते हैं या फिर उन्हें राज्य स्तरीय मंजूरी की आवश्यकता होती है।

रोहिंग्या हो या बांग्लादेशी अशांति फैलाई तो सख्ती से निपटेंगे - अमित शाह

आर.एन.एस

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को लोकसभा में इमिग्रेशन एंड फॉरनर्स बिल 2025 पर जवाब दिया। उन्होंने कहा- रोहिंग्या हों या बांग्लादेशी हों, अगर भारत को नुकसान पहुंचाने की मानसिकता के साथ आते हैं तो उनके साथ बड़ी ही कठोरता के साथ पेश आया जाएगा।

अगर कोई योगदान देने के लिए आता है तो उसका स्वागत है। इस नीति में उदारता के साथ कठोरता की भी जरूरत है।

भारत में आने वाले सभी विदेशी नागरिकों का अपडेट रखा जाएगा। वे किस रास्ते से आ रहे हैं। कहां रुक रहे हैं। क्या कर रहे हैं, इसकी जानकारी अपडेट की जाएगी।

मोदी जी का लक्ष्य है 2047 तक विकसित भारत बनाना और इसी को ध्यान में रखते हुए ढेर सारे बिल पिछले 10 साल में इस सदन में आए।

हर क्षेत्र के हर कानून को मजबूत करने का काम हमने किया है। आज इस बिल को लेकर आया हूं तो इससे तीसरे नंबर का अर्थव्यवस्था बनाने, अनुसंधान के क्षेत्र में आर एंड डी करने

वालों को उदार तंत्र मिलने वाला है।

यह बिल लोकसभा में 11 मार्च को पेश किया गया था। इस पर सत्ता और विपक्ष के 30 सांसदों ने अपनी बात रखी।

इस पर चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने कहा- इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी यहां ढेर सारे क्षेत्रों में अनुसंधान की व्यवस्था होगी। अभी चार अधिनियमों में कई व्यवस्थाएं छिटपुट है।

ये एक ही विधेयक चार अधिनियमों को निरस्त करके एक कानून का रूप देने का काम करेगा और 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य में आगे जाएगा। इसमें सशक्त अप्रवासन नीति का बड़ा महत्व है।

ये हमारी प्रणाली को आसान करेगा, विश्वसनीय भी बनेगा। तीन साल के गहन विचार के बाद इसे डिजाइन किया गया है।

इसका राजनीतिक कारणों से विरोध नहीं करना चाहिए। भारत आने वाले यात्रियों का डेटाबेस बन जाएगा, टूरिज्म के क्षेत्र में भी वृद्धि होगी। ग्लोबल ब्रांडिंग बढ़ाने में ये बिल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गुजरात में 10 रुपये के लिए 40 बच्चों ने अपने हाथ काटे

वीडियो गेम खेलकर 7वीं क्लास के बच्चे ने टास्क दिया

आर.एन.एस

अमरेली। गुजरात में एक गांव के सरकारी स्कूल में 40 बच्चों ने शार्पनर से अपने हाथ काट लिए। यह सभी 5वीं से 8वीं क्लास के स्टूडेंट्स हैं। इन्हें स्कूल के ही 7वीं क्लास के एक बच्चे ने टास्क दिया था कि जिसके हाथ ज्यादा घाव होंगे, उसे 10 रुपए इनाम दिया जाएगा। इस स्टूडेंट को वीडियो गेम में ब्लू व्हेल गेम खेलकर ऐसा टास्क देने का आइडिया आया था। पिछले 8-10 दिन से बच्चे अपने हाथ पर कट लगा रहे थे। बुधवार को एक बच्चे के हाथ में कट देखकर उसके पेरेंट्स ने स्कूल में जाकर इसकी शिकायत की, तब मामला उजागर हुआ। मामला अमरेली जिले में मोटा मुंजियासर गांव के प्राथमिक विद्यालय का है। स्कूल से मिली जानकारी के मुताबिक, कक्षा 7 के एक स्टूटेंट ने अपनी क्लास के अन्य स्टूडेंट्स को

ब्लेड से हाथ काटने का टास्क दिया था। पहले उसकी क्लास के करीब 10 बच्चे इसमें शामिल हुए और फिर धीरे-धीरे कर पांचवीं से आठवीं क्लास तक के 40 बच्चे टास्क में शामिल हो गए। स्टूडेंट ने टास्क के दौरान शर्त रखी थी कि जिसके हाथ पर ज्यादा यह गहरे घाव होंगे, उसका ही टास्क पूरा माना जाएगा।

टास्क पूरा करने वाले को 10 रुपए का इनाम दिया जाएगा। जो स्टूडेंट टास्क पूरा नहीं कर पाएगा तो उसे 5 रुपए देने होंगे।

जांच में पता चला है कि टास्क देने वाला स्टूडेंट मोबाइल लेकर स्कूल आता है और घर पर अक्सर ऑनलाइन गेम खेलता है।अमरेली के एएसपी जयवीर गढ़वी ने स्कूल पहुंचकर अभिभावकों के बयान दर्ज किए।बवाल मचने पर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने कहा कि यह अभिभावकों की ही गलती है। वे बच्चों को मोबाइल देखने देते हैं। यह भी ध्यान नहीं देते कि बच्चा मोबाइल पर कौन सा गेम खेल रहा है, या क्या देख रहा है।बच्चों को मोबाइल की लत से छुड़ाने की जिम्मेदारी अभिभावकों की है, शिक्षकों की नहीं।

राणा सांगा पर दिए बयान पर बोले सपा सांसद, कहा - माफी नहीं मांगूगा

राज्यसभा स्पीकर से की सुरक्षा बढ़ाने की मांग

आर.एन.एस

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के घर पर हमले के बाद उत्तर प्रदेश में राजनीतिक माहौल गरमाता जाता रहा है. इसी बीच सपा ने ईद के बाद पूरे प्रदेश में प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है. साथ ही सपा सांसद ने राणा सांगा पर अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया है और कहा कि इतिहास को नकारा नहीं जा सकता. हालांकि, उन्होंने सभापति से अपनी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है.

सांसद ने गुरुवार को कहा, मैं इस जन्म में माफी नहीं मांगूंगा, मुझे अगले जन्म का पता नहीं है. यह बात उनके घर पर करणी सेना के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर किए गए हमले के एक दिन बाद कही हैं।उन्होंने कहा, उन्हें सच स्वीकार करना सीखना होगा. बाबर को राणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को हराने के लिए आमंत्रित किया था. उन्हें ये गलतफहमी थी कि बाबर एक लुटेरा है और वह वापस चला जाएगा और हम शासन करेंगे।

उन्होंने कहा, ये समझौता हुआ था कि राणा सांगा आगरा पर हमला करेंगे. जब उनका समझौता टूट गया तो फतेहपुर सीकरी में उनका युद्ध हुआ. राणा सांगा ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी, लेकिन हार गए. ये इतिहास है, इसे कौन नकार सकता है।

राष्ट्रपति पुतिन इस साल भारत आएंगे

यूक्रेन वॉर के बाद पहली भारत यात्रा, रूसी विदेश मंत्री बोले- तैयारियां की जा रहीं

आर.एन.एस

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल भारत आएंगे। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि राष्ट्रपति के विजिट के लिए तैयारियां की जा रही हैं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह यात्रा किस महीने या तारीख को हो सकती है।

लावरोव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद रूस की अपनी पहली विदेश यात्रा की है। अब हमारी बारी है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारतीय सरकार का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

रूसी विदेश मंत्री ने यह बयान %रूस और भारत~ एक नए द्विपक्षीय एजेंडे की ओर समिट के दौरान दिया

है। इस बैठक का आयोजन रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद ने किया। आखिरी बार 2021 में भारत आए थे पुतिन रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने 06 दिसंबर 2021 में भारत की यात्रा की थी। वह सिर्फ 4 घंटे के लिए भारत आए थे। इस दौरान भारत और रूस के बीच 28 समझौते पर दस्तखत हुए थे। इसमें मिलिट्री और तकनीकी समझौते थे। दोनों देशों ने 2025 तक 30 अरब डॉलर (2 लाख 53 हजार करोड़ रुपए) सालाना ट्रेड का टारगेट रखा था।

फरवरी 2022 में यूक्रेन वॉर शुरू होने पुतिन की पहली भारत यात्रा होगी। इस विजिट से दोनों देशों के बीच 2030 के लिए नए आर्थिक रोडमैप को आगे बढ़ाने की उम्मीद है।

भारत और रूस अपने बाइलेट्रल ट्रेड को दोगुना करके सालाना 100 अरब डॉलर से ज्यादा करने पर सहमत हुए हैं। फिलहाल दोनों देशों के बीच करीब 60 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार है।

तमिलनाडु विधानसभा में वक्फ बिल के खिलाफ प्रस्ताव पारित

केंद्र बिल वापस ले ये मुसलमानों के अधिकार खत्म करेगा - सीएम स्टालिन

आर.एन.एस

नई दिल्ली। तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने गुरुवार को वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने प्रस्ताव के विरोध में कहा- ये बिल मुसलमानों के अधिकारों को खत्म कर देगा। हमारी मांग है कि केंद्र सरकार बिल वापस ले।

स्टालिन ने कहा कि, केंद्र सरकार ऐसी योजनाएं ला रही है जो राज्य के अधिकारों, संस्कृति और परंपरा के खिलाफ हैं। वक्फ संशोधन बिल मुसलमानों के अधिकारों को नष्ट कर रहा है। केंद्र सरकार ने कभी मुसलमानों के कल्याण और उनके अधिकारों के बारे में नहीं सोचा।

उन्होंने कहा- संशोधन में कहा गया है कि दो गैर मुस्लिम लोग को वक्फ का हिस्सा होना चाहिए। मुसलमानों को

डर है कि यह सरकार का वक्फ संपत्तियों को हड़पने का एक तरीका है और यह धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है।

विपक्ष ने कहा– स्टालिन वोट बैंक की राजनीति कर रहे

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ राज्य सरकार के विधानसभा से प्रस्ताव पारित करवाने पर भाजपा विधायक वनथी श्रीनिवासन ने कहा- भाजपा इस प्रस्ताव का विरोध करती है। केंद्र सरकार के पास संशोधन लाने का अधिकार है। वक्फ से जुड़ी कई शिकायतें थीं, जिसके बाद इसमें केंद्र सरकार संशोधन कर रही है।

वहीं तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी दल AIADMK के प्रवक्ता कोवई सत्यन ने कहा- ऐसा लगता है कि डीएमके धर्म और भाषा के आधार पर एक नैरेटिव सेट करने की जल्दी में है। जिन पार्टियों के सदस्य जेपीसी में हैं, वे न्यायपालिका में वक्फ को चुनौती क्यों नहीं दे रहे हैं? विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने की जल्दी क्यों है? वोट बैंक की राजनीति के लिए लोगों को भड़काने की कोशिश करना बेहद निंदनीय है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का देशभर में प्रदर्शन वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड देशभर में प्रदर्शन कर रहा है। संगठन ने 17 मार्च को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बिल के विरोध में प्रदर्शन किया था।

कांग्रेस ने अपने सभी 14 विधायकों के निलंबन के विरोध में किया प्रदर्शन

आर.एन.एस

भुवनेश्वर। ओडिशा में कांग्रेस ने अपने सभी 14 विधायकों के निलंबन के विरोध में गुरुवार को प्रदर्शन किया। विधानसभा घेरने के लिए कार्यकर्ता विधानसभा की ओर बढ़ रहे थे। इस दौरान पुलिस से उनकी झड़प हुई।

दरअसल 25 मार्च को कांग्रेस के 12 विधायक निलंबित कर दिए गए थे। इसके बावजूद विधायक प्रदर्शन करते रहे और पूरी रात सदन में बिताई। विधानसभा के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन करते रहे।

अगले दिन यानी 26 मार्च को कांग्रेस कार्यकर्ता और निलंबित विधायक विधानसभा के बाहर प्रदर्शन करते रहे। वे विधानसभा की बढ़े तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद जमकर धक्का-मुक्की हुई।

सदन के भीतर कांग्रेस के बचे हुए दो विधायकों तारा प्रसाद बाहिनीपति और रमेश जेना ने इस मुद्दे पर प्रदर्शन

किया। दोनों सदन की वेल में आकर प्रदर्शन कर रहे थे इसलिए उन्हें भी निलंबित कर दिया गया था।

कांग्रेस विधायक भाजपा सरकार के आठ महीनों के दौरान महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों की जांच के लिए कमेटी बनाने की मांग कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने नारेबाजी की और नारे लिखी तख्तियां लेकर वेल में प्रदर्शन किया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने अनुशासनहीनता और सदन की गरिमा भंग करने के आरोप में सात दिन के लिए निलंबित कर दिया

बीजेडी ने विधानसभा में गंगाजल छिड़का बीजू जनता दल के विधायकों ने गुरुवार को विधानसभा में गंगाजल छिड़का। दरअसल निलंबित कांग्रेस विधायकों को सदन से बाहर निकालने के लिए 25 मार्च की रात पुलिस विधानसभा के अंदर गई थी । ब्बव्रष्ठ विधायकों ने कहना था कि विधानसभा में पुलिस आने से सदन अपवित्र हो गया था। विधानसभा को शुद्ध करने के लिए गंगाजल छिड़का।

कुणाल कामरा को पुलिस ने 31 मार्च को बुलाया

पैरोडी सॉन्ग पर टी–सीरीज ने कॉपीराइट नोटिस भेजा

आर.एन.एस

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के पैरोडी सॉन्ग के बाद विवादों में घिरे कॉमेडियन कुणाल कामरा को पुलिस ने 31 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है। पुलिस अब तक उन्हें दो समन जारी कर चुकी है।

उधर, अपने वीडियो में मिस्टर इंडिया फिल्म के गाने पर पैराडी करने की वजह से कुणाल को टी-सीरीज ने कॉपीराइट नोटिस भेजा है। खुद कुणाल ने ङ्ग पर यह जानकारी दी। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर तंज कसते हुए कहते हैं मुझको हवा हवाई गाने पर पैरोडी सॉन्ग गाया था।

कामरा ने आरोप लगाया कि उनके स्टैंड-अप स्पेशल 'नया भारत' को यूट्यूब से कॉपीराइट उल्लंघन के आधार पर विजिबिलिटी और मोनेटाइज को ब्लॉक कर दिया गया है। अब उनके वीडियो से कोई कमाई नहीं होगी। उन्होंने टी-सीरीज के फैसले को मनमाना बताते हुए इसे व्यंग्य और पैरोडी जैसी कलात्मक स्वतंत्रता पर हमला बताया।

भारत 307 हॉवित्जर तोपें खरीदेगा, 6900 करोड़ की डील साइन की

आर.एन.एस

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना की डिफेंस कैपेसिटी को बढ़ाने के लिए बुधवार को 6900 करोड़ रुपए की डील साइन की। इसके तहत अब 307 एडवांस्ड टोव्ड आर्टिलरी गन सिस्टम यानी हॉवित्जर तोपों को खरीदा जाएगा। यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में स्वदेशी तोपें खरीदी जा रही हैं। यह डील भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ हुई है। इसमें भारत फोर्ज 60 प्रतिशत तोपों का निर्माण करेगी, जबकि टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स 40त्न का प्रोडक्शन करेगी। जैसा कि इसके नाम Advanced Towed Artillery Gun System से जाहिर है कि यह टोव्ड गन यानी ऐसी तोप है जिसे ट्रक से खींचा जाता है। हालांकि यह गोला दागने के बाद बोफोर्स की तरह कुछ दूर खुद ही जा सकती है। इस तोप का कैलिबर 155, एमएम है। मतलब यह कि इस आधुनिक तोप से 155 एमएम वाले गोले दागे जा सकते हैं।

ATAGS को हॉवित्जर भी कहा जाता है। हॉवित्जर यानी छोटी तोपें। दरअसल, दूसरे विश्व युद्ध और उसके बाद तक युद्ध में बड़ी और भारी तोपों का इस्तेमाल होता था। इन्हें लंबी दूरी तक ले जाने और ऊंचाई पर तैनात करने में काफी मुश्किलें होती थीं। ऐसे में हल्की और छोटी तोपें बनाई गईं,

केदारनाथ में बर्फ काटकर तैयार हो रहा रास्ता, बाबा के दर्शन के लिए ग्लेशियरों के बीच से होकर गुजरेंगे श्रद्धालु

नई दिल्ली। 2 मई से बाबा केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही यात्रा शुरू हो जाएगी। यात्रा के लिए सभी तैयारियां को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

वहीं धाम में अभी भी चारों तरफ भारी बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है। गौरीकुंड से केदारनाथ के पैदल मार्ग में बड़े-बड़े ग्लेशियर बने हुए हैं। जहां से केदारनाथ जाने वाले पैदल यात्रियों को गुजरना होगा।

इन हिमखंडो को काटकर लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी रास्ता तैयार कर रहे हैं। जिसे पूरा करने में महीने भर का समय लगेगा।

गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर रामबाड़ा से लिनचोली के बीच पसरे विशालकाय हिमखंड काटे जा रहे है। इन ग्लेशियर को काटकर मजदूर 8 से 10 फीट बर्फ के बीच रास्ता तैयार कर रहे हैं। जहां से केदारनाथ जाने वाले यात्री गुजरेंगे।

दरअसल, इस साल फरवरी और मार्च के पहले सप्ताह में केदारनाथ सहित पैदल मार्ग तक भारी बर्फबारी हुई थी। इसके बाद से केदारनाथ धाम में अभी भी तीन-चार फीट से अधिक बर्फ जमी हुई है।वहीं, गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर रामबाड़ा से केदारनाथ तक बर्फ के कारण पैदल आवाजाही संभव नहीं है। यहां बीते 14 मार्च से लोक निर्माण विभाग के 70 से अधिक मजदूर बर्फ को काटकर रास्ता बनाने में जुटे हैं।

13 दिनों में लगभग तीन किमी हिस्से में बर्फ साफ कर आवाजाही के लिए रास्ता तैयार हो चुका है। इन दिनों मजदूर थारू हिमखंड को काटने में जुटे हैं।

गोल्ड स्मगलिंग केस में गिरफ्तार कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव की जमानत याचिका खारिज

आर.एन.एस

नई दिल्ली। गोल्ड स्मगलिंग केस में गिरफ्तार कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव की जमानत याचिका गुरुवार को बेंगलुरु की सेशन कोर्ट ने खारिज कर दी। यह तीसरी बार है, जब कोर्ट ने रान्या को जमानत देने से इनकार किया है। इससे पहले 12 और 14 मार्च को दो बार कोर्ट ने रान्या को जमानत नहीं दी थी।

उधर, मामले में 26 मार्च को राजस्व खुफिया निदेशालय ने बेल्लारी से सोना व्यापारी साहिल सकारिया जैन को अरेस्ट किया। यह तीसरी गिरफ्तारी थी। साहिल पर सोने को ठिकाने लगाने में रान्या की मदद का आरोप है। कोर्ट ने साहिल को 29 मार्च तक

डीआरआई की कस्टडी में भेज दिया है।

कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को बेंगलुरु के केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 3 मार्च को 14.2 किलोग्राम सोने के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद 10 मार्च को उसके दोस्त तरुण राजू को अरेस्ट किया गया था।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने किया उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में गुरुवार दिनांक 27.03.2025 को प्रधान कार्यालय के प्रथम तल पर स्थित संकल्प सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला कर्मचारियों का सम्मान किया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जन संपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार वर्ष-2024 में किए गए कार्य के आधार पर उत्तर पश्चिम रेलवे, प्रधान कार्यालय के विभिन्न विभागों में कार्यरत 37 उत्कृष्ट महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया गया जिनका चयन उत्तर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाप्रबन्धक, उत्तर पश्चिम रेलवे अमिताभ ने अपने उद्बोधन में महिला कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे कार्य की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी तथा उत्तर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा डा. अंजू द्वारा उत्कृष्ट महिला कर्मचारियों को पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रधान कार्यालय में कार्यरत महिला कर्मचारियों में से लेखा विभाग में 08, वाणिज्य विभाग में 03, विधुत विभाग में 01, अभियांत्रिकी विभाग में 10, सामान्य प्रशासन विभाग में 03, यांत्रिकी विभाग में 01, चिकित्सा विभाग में 01, कार्मिक विभाग में 06, सुरक्षा विभाग में 01 एवं भण्डार विभाग में कार्यरत 02 उत्कृष्ट महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह, मुख्य कार्मिक अधिकारी/आईआर विनोद कुमार , उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/एचआरडी मेघा गोदारा देव, उत्तर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की पदाधिकारीगण एवं महिला कर्मचारी उपस्थित रहें।

वर्षों से बंजर पड़ी जमीन को बना दिया हरा-भरा

श्रीपिंजरापोल गौशाला में चल रहे नेशनल मेले व राष्ट्रीय गौ आधारित प्राकृतिक किसान सम्मेलन में साझा की सफलता की कहानी

100 स्टॉल्स पर दूसरे दिन बड़ी संख्या में किसानों और विशेषज्ञों ने की विजिट

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। मैं एक बहुत छोटी जगह से आई हूं। इंडियन एयरफोर्स में 23 साल देश की सेवा की है। क्योंकि हमारे दादाजी की परंपरा है, कि देश की सेवा करना जरूरी है। ऐसे में मैंने, बहन ने और परिवार के अन्य लोग देश सेवा में रहे। उसके बाद में भी मेरे मन में हमेशा से पर्यावरण के लिए कुछ करने की सोच थी। वर्षों फोर्स में रहने के बाद पर्यावरण के लिए काम करना शुरू किया और आज हम अलग-अलग पद्दति से खेती और पर्यावरण के लिए काम कर रहे हैं। ये कहानी है रंजनी अय्यर की, जिन्होंने श्रीपिंजरापोल गौशाला में चल रहे नेशनल मेले व राष्ट्रीय गौ आधारित प्राकृतिक किसान सम्मेलन में सफलता की कहानी शेयर की। उनके साथ ही अन्य कई सफल महिलाओं व पुरुषों ने अपनी कहानी बताते हुए खेती व पर्यावरण को सुरक्षित रखने के बारे में बताया। उन्होंने गौधन को भी जरूरी बताया। इसमें किसी ने लाखों का पैकेज छोड़कर तो किसी ने कड़ा संघर्ष करके सफलता हांसल की। गौरतलब है कि मेले में सजी 100 स्टॉल्स में दूसरे दिन गुरुवार को बड़ी संख्या में किसानों और विशेषज्ञों ने विजिट की। इस दौरान करीब 5000 लोग अभी तक मेले और पूरे आयोजन में शिरकत कर चुके हैं। डॉ. अतुल गुप्ता ने बताया, कि दूसरे दिन के प्रोग्राम में किसान आयोग अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, अहमदाबाद से गोपाल भाई, लोकमय राम छत्तीसगढ़ संस्था से नागेंद्र दूबे, प्रचारक जयपुर प्रांत आरएसएस बाबू लाल और मोहन कुमार, विश्व हिंदू परिषद से राजाराम, बीजेपी से डॉ. विक्रम सिंह, मोनिका गुप्ता, संगीता गौड़,लक्ष्मण लोहाना, चेयरमैन एफ़पीसी बाज़ार, अतुल व्यास,निदेशक अमूल ग्रुप आदि मौजूद रहे।

आज हमारे खते हैं हरे-भरे

मैं टीबा की धरती से हूं। हमें कहा गया था कि 20 साल तक भी आपकी जमीन पर कुछ नहीं उगेगा। हमने हिम्मत नहीं हारी और आज हमारे खेत हरे-भरे हैं। इसमें भी सिर्फ हम दो ही लोग ही हैं, जो खेती कर रहे हैं। ये कहानी है बंजर जमीन को हराभरा करने वाली महिला की। उन्होंने मेले में कहानी शेयर की।

उनके साथी रामेश्वर ने बताया, कि पुराना तरीका गोबर से खेती करने का है। वहीं हम बायोडाजेस्ट से खेती कर रहे हैं, जिसमें खर्चा कम है और हर तरह की फसल तैयार की जा सकती है। ये पद्दति हम युवा किसानों को भी बता रहे हैं।

यूईएम जयपुर में 36 घंटे का दो दिवसीय राष्ट्रीय हैकथॉन होगा आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) जयपुर परिसर 29 और 30 मार्च, 2025 को 36 घंटे के राष्ट्रीय हैकथॉन, बहुप्रतीक्षित ऐसहैक 4.0 की मेजबानी करेगा। यह कार्यक्रम वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों का उपयोग करने के लिए पूरे देश के उद्यमियों, डेवलपर्स और तकनीक के प्रति उत्साही लोगों को एक साथ लाएगा। यह प्रतिभागियों के लिए अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और आविष्कारशीलता का प्रदर्शन करने के लिए एकदम सही जगह है क्योंकि उन्हें ब्लॉकचेन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स , आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों की जांच करने का मौका मिलेगा। इस कार्यक्रम में 60 से अधिक शहरों, 80 से अधिक विश्वविद्यालयों और 5 देशों से 7,000 से अधिक पंजीकरणों के साथ, AceHack 4.0 को बहुत बड़ी प्रतिक्रिया मिली है। यह शानदार उपस्थिति दुनिया भर के महत्वाकांक्षी डेवलपर्स और इनोवेटर्स के लिए एक अग्रणी स्थल के रूप में हैकाथॉन की बढ़ती स्थिति को प्रदर्शित करती है।

AceHack 4.0 समावेशिता को बढ़ावा देने के प्रयास में विविध भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किए गए अनूठे पाठ्यक्रम प्रदान करता है। कोचिंग और विशिष्ट पुरस्कार श्रेणियों की पेशकश करके, बिगिनर्स ट्रैक का उद्देश्य नौसिखिए हैकाथॉन प्रतियोगियों की सहायता करना और उन्हें प्रतिस्पर्धा करने का समान अवसर प्रदान करना है। इसी तरह, ऑल-गर्ल्स ट्रैक का उद्देश्य महिलाओं को प्रौद्योगिकी में सशक्त बनाना है, ताकि उन्हें अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और अद्वितीय पुरस्कारों के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक विशिष्ट स्थान प्रदान किया जा सके। ये कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों को, चाहे उनका कौशल स्तर कुछ भी हो, सफल होने का मौका देते हुए अधिक विविध तकनीकी वातावरण को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं। यूनिवर्सिटी उप निदेशक संदीप कुमार अग्रवाल ने जानकारी दी।

विज्ञान और संस्कृतिः आज के युग में विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

डॉ. राम भजन कुमावत

जयपुर। आज के युग में, विज्ञान और संस्कृति दोनों ही विद्यार्थियों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। विज्ञान हमें दुनिया के बारे में समझने और उसके नियमों को जानने में मदद करता है। जबकि संस्कृति हमें अपनी जड़ों और परंपराओं के बारे में जानने में मदद करती है।

संस्कृति एक व्यापक शब्द है, जो समाज या लोगों के समूह के भीतर विश्वासों, व्यवहार, मूल्यों और ज्ञान के पूरे स्पेक्ट्रम को समाहित करता हैं। संस्कृति समाज पर मनुष्यों के प्रभाव से प्रेरित होती है, जो सामाजिक मानदंडों को विकसित करने में मदद करती हैं। विज्ञान संस्कृति का एक हिस्सा है, क्योंकि विज्ञान और संस्कृति दोनों एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। वैज्ञानिक और तकनीकी नवाचार संस्कृति में बदलाव को मजबूर करते हैं, जिसे समाज को अपनाना चाहिए, जबकि संस्कृति वैज्ञानिक समुदाय के मेकअप के साथ-साथ वैज्ञानिक उन्नति के

फोकस को भी प्रभावित करती है।

वैज्ञानिक विकास की शुरुआत से ही विज्ञान संस्कृति से प्रभावित रहा है। जैसा कि हमने पिछले सप्ताह चर्चा की थी, विज्ञान को एक पुरुष-प्रधान अवधारणा के रूप में बनाया गया था और आज भी कुछ क्षमताओं में यह पुरुष-प्रधान बना हुआ है। यह विज्ञान के संस्कृति का एक हिस्सा होने का प्रमाण देता है क्योंकि विज्ञान को पुरुष वर्चस्व के सांस्कृतिक और सामाजिक मानदंडों का उपयोग करके एक समुदाय के रूप में विकसित और बनाया गया था। हम इतिहास के दौरान देख सकते हैं कि कैसे विज्ञान, संस्कृति के समकक्ष के रूप में, सांस्कृतिक समायोजन के परिणामस्वरूप बदल गया है। उदाहरण के लिए, जैसे-जैसे सांस्कृतिक मानदंड धीरे-धीरे समाज में पुरुषों और महिलाओं के बीच अवसरों की समानता के आह्वान के साथ समायोजित होते गए, विज्ञान समुदाय ने भी विज्ञान में महिलाओं की भागीदारी का समर्थन और प्रचार करने के लिए काम करके समायोजन किया। इसके अतिरिक्त, संस्कृति कई तरीकों से वैज्ञानिक अनुसंधान के फोकस को प्रभावित करती है।

वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान समाज की आवश्यकता

वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान समाज की आवश्यकताओं से प्रभावित और आंशिक रूप से निर्धारित होते हैं। उदाहरण के लिए, प्रौद्योगिकी और चिकित्सा क्षेत्रों में प्रगति अक्सर समाज के भीतर सामाजिक इच्छाओं और जरूरतों द्वारा बढ़ावा दी जाती है। संस्कृति विज्ञान और वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रभावित करने का एक और तरीका है सिद्धांत वैधता पर इसका प्रभाव। क्रेग रेसबुल्ट के अनुसार, यदि वैज्ञानिक (या उनके वित्तीय समर्थक) पहले से ही कुछ सांस्कृतिक अवधारणाओं, जैसे कि आध्यात्मिक और वैचारिक सिद्धांतों को स्वीकार कर चुके हैं, तो वे उन वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्राथमिकता देंगे (और उनका समर्थन करेंगे) जो इन सांस्कृतिक-व्यक्तिगत सिद्धांतों से सहमत हैं।

मैं रेसबुल्ट के दावे से सहमत हूं, क्योंकि विज्ञान में एक मध्यम रूप से मजबूत सांस्कृतिक पूर्वाग्रह प्रतीत होता है। वैज्ञानिक आमतौर पर अपने काम में अपने सांस्कृतिक दृष्टिकोण के आधार पर अपने सामाजिक दृष्टिकोण या प्रतिष्ठा के बारे में चिंतित रहते हैं।

चूंकि विज्ञान संस्कृति का एक हिस्सा है, इसलिए संस्कृति वैज्ञानिक समुदाय से भी प्रभावित होती है। मुझे लगता है कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि विज्ञान लोगों की मान्यताओं और दुनिया की व्याख्याओं को प्रभावित करता है, इसलिए वर्तमान संस्कृति को प्रभावित करता है। यह पूरे समाज में वैज्ञानिक विचारों के प्रसार के माध्यम से होता है। बौद्धिक प्रभावों के साथ-साथ, वैज्ञानिक और तकनीकी नवाचार और समाज में भागीदारी संस्कृति को दृढ़ता से प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए, चिकित्सा क्षेत्रों में व्यापक प्रगति ने स्वास्थ्य और फिटनेस के संबंध में समाज के भीतर एक निश्चित संस्कृति का निर्माण किया है। चीजों के तकनीकी पक्ष पर, संस्कृति पर एक स्पष्ट प्रभाव सामाजिक मानदंडों का परिवर्तन है। हाल के वर्षों में, फ़ोन ने मनुष्यों को समग्र रूप से कम सामाजिक प्राणी बना दिया है। विज्ञान और संस्कृति एक दूसरे से इतने जुड़े हुए हैं कि विज्ञान को संस्कृति का हिस्सा मानना ही तर्कसंगत है। इसके अलावा, संस्कृति में अर्थों और मूल्यों का एक व्यापक समूह शामिल होता है, जिसमें वैज्ञानिक समुदाय के प्रभाव भी शामिल होते हैं। इन तथ्यों के कारण, मेरा मानना है कि विज्ञान को समाज का हिस्सा माना जाना चाहिए।

विज्ञान का महत्व

विज्ञान का महत्व आज के युग में और भी अधिक बढ़ गया है। यह हमें दुनिया के बारे में समझने और उसके नियमों को जानने में मदद करता है। विज्ञान के माध्यम से, हम नए आविष्कार और खोज कर सकते हैं जो हमारे जीवन को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

आविष्कार और खोज

विज्ञान के माध्यम से, हम नए आविष्कार और खोज कर सकते हैं जो हमारे जीवन को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। विज्ञान के माध्यम से, हम समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और नए तरीके से समस्याओं का सामना कर सकते हैं। विज्ञान के माध्यम से, हम नई तकनीक विकसित कर सकते हैं जो हमारे जीवन को बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं।

महापुरा और नेवटा के सरकारी स्कूलों में एसटीईएम (STEM) लैब की स्थापना

जयपुर। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, एफआरसी टीम Kaizen 10428, जयश्री पेरिवाल इंटरनेशनल स्कूल (जेपीआईएस) ने महापुरा और नेवटा के सरकारी स्कूलों में एसटीईएम लैब स्थापित की हैं। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को प्रायोगिक शिक्षण के अवसर प्रदान करना और उन्हें रोबोटिक्स, एआई और कोडिंग से परिचित कराना है।

महापुरा के सरकारी विद्यालय में स्थापित एसटीईएम लैब का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री राजेंद्र बंसल, खंड मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ), सांगानेर ग्रामीण द्वारा किया गया, साथ ही महापुरा के सरपंच श्री हनुमान सहाय भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। नेवटा के सरकारी विद्यालय में स्थापित एसटीईएम लैब का उद्घाटन श्रीमती प्रियंका शर्मा, नेवटा की सरपंच द्वारा किया गया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में व्यावहारिक शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, छात्र और स्थानीय समुदाय के सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने नई लैब को लेकर अत्यधिक उत्साह दिखाया।

एफआरसी टीम Kaizen 10428 द्वारा लिया गया यह कदम उनके सामुदायिक शिक्षा प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ग्रामीण विद्यालयों में एसटीईएम और एआई को बढ़ावा देकर, यह टीम छात्रों में नवाचार और समस्या-समाधान कौशल विकसित करने की प्रेरणा देना चाहती है। लैब को आवश्यक उपकरणों जैसे कि रोबोटिक्सकिट, कोडिंग प्लेटफ़ॉर्म और एआई-आधारित अनुप्रयोगों से सुसज्जित किया गया है ताकि छात्र प्रायोगिक परियोजनाओं के माध्यम से सीखने का लाभ उठा सकें।

इस पहल को साकार करने के लिए, टीम ने विभिन्न कॉर्पोरेट प्रायोजकों से धन जुटाने के लिए संपर्क किया। उन्होंने स्कूल के विंटर कार्निवल में एक स्टॉल भी लगाया, जिससे उन्होंने न केवल अतिरिक्त धन एकत्र किया बल्कि अपनी इस पहल के बारे में जागरूकता भी बढ़ाई। उनकी इन कोशिशों से उन छात्रों को उन्नत शिक्षण संसाधन मिल सके, जिन्हें सामान्यतः तकनीकी शिक्षा के सीमित अवसर प्राप्त होते हैं।

आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

चाकसू। कस्बे के वार्ड 1 स्थित राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय परिसर में आईओसीएल की ओर से नवनिर्मित आंगन बाड़ी भवन का लोकार्पण चाकसू विधायक रामवतार बैरवा ने किया। इस मौके पर आईओसीएल के जीएम बीकेसोनी, मुख्य प्रबंधक नेतराम मीना ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। इससे पूर्व आयोजन समिति की ओर से अतिथि सत्कार एवं सरस्वती पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। वहीं मुख्य अतिथि विधायक ने फीता काटकर भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में चाकसू विधायक बैरवा ने क्षेत्र के विकास में कमी नहीं रहने देने की बात कही। शाला के विद्यार्थियों की ओर से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। मुख्य अतिथि एवं आईओसीएल के अधिकारियों ने आंगनबाड़ी भवन सीडीपीओ भुवनेश शर्मा संभलाया। कार्यक्रम में सरपंच संघ अध्यक्ष कन्हैयालाल शर्मा, भाजपा के पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष रामधन सैनी, पार्षद त्रिवेणी श्याम शर्मा, गिरिराज डूंगरी, लालाराम जादम व गणपत सैनी सहित अन्य मौजूद रहे।

पांडुलिपि संरक्षण में अगरचन्द नाहटा का योगदान पर संगोष्ठी सम्पन्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान शिक्षक प्रशिक्षण विद्यापीठ प्रांगण में गुरुवार को राजस्थान संस्कृत अकादमी, वैदिक हैरीटेज पाण्डुलिपि शोध संस्थान, जयपुर एंव राजस्थान शिक्षक प्रशिक्षण विद्यापीठ, के संयुक्त तत्वावधान में पाण्डुलिपियों के संरक्षण में अगरचन्द नाहटा का योगदान विषय पर राष्टीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि आईएएस मधुसूदन शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. लता श्रीमाली, (निदेशक, राजस्थान संस्कृत अकादमी) अध्यक्ष बृजकिशोर शर्मा, मुख्य वक्ता वैद्य गोपीनाथ पारीक (अध्यक्ष आयुर्विज्ञान परिषद, जयपुर), विश्वगुरू महामण्डलेश्वर महेश्वरानन्दपुरी , महामण्डलेश्वर ज्ञानेश्वरपुरी, महन्त हरिशंकर दास वेदान्ती की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यापीठ छात्राओ द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गयी। संस्थान सचिव डॉ. राजकुमार जोशी ने अपने स्वागत संबोधन में बताया कि पाण्डुलिपि संरक्षण में अमरचन्द नाहटा का योगदान अविस्मरणीय है। डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा समन्वयक पांडुलिपि शोध संस्थान ,द्वारा बताया गया कि अगरचंद नाहटा जी ने पाण्डुलिपि के संरक्षण में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करते हुये शास्त्रों के सरंक्षण की महत्ती सेवा की है। वैद्य गोपीनाथ पारीक द्वारा नाहटा के जीवन की एक विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए उनके पांडुलिपियों के संदर्भ में योगदान को जीवंत किया गया।

महन्त हरिशंकर वेदांती ने अपने अशीर्वचन में बताया कि अगरचन्द नाहटा को यह शोध संगोष्ठी एक सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में अर्पित की जा रही है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि संस्कृत अकादमी निदेशक डॉ. लता श्रीमाली ने बताया कि पाण्डुलिपि में ज्ञान का अथाह भण्डार है इसे संरक्षित करने में अगरचन्द नाहटा का योगदान वंदनीय है। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि आई.ए.एस मधुसूदन शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि पांडुलिपियों के अथाह ज्ञान के द्वारा ही हमारा देश पुनः विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित हो सकता है। इसी श्रृंखला में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्यापीठ समिति अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षामंत्री बृजकिशोर शर्मा ने कहा कि पांडुलिपि एक व्यापक विषय हैं और यह संस्कृत भाषा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इस अवसर पर विद्यापीठ की त्रैमासिक पत्रिका शिक्षा क़ौस्तुभ का विमोचन प्राचार्य डॉ मनीषा शर्मा द्वारा अतिथिगणों के करकमलों द्वारा करवाया गया। इस अवसर पर समस्त अतिथियों द्वारा प्रवक्तागणों एवं प्रशिक्षणार्थियों को संगोष्ठी के प्रमाण पत्र वितरित किए गये। संगोष्ठी के अंतर्गत संत महामंडलेश्वर ज्ञानेश्वरपुरी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान युग में संस्कृत की स्थिति विचारणीय हैं संस्कृत और पांडुलिपि एक दूसरे से सह संबंधित है और हमें अवसर मिलने पर इसे सीखने के लिए तैयार रहना चाहिए। कार्यक्रम की संपन्नता की कड़ी में विद्यापीठ प्राचार्य डॉ. मनीषा शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि पं. मोतीलाल जोशी जी द्वारा संस्कृत उत्थान का स्वप्न पूर्ण करने के लिए विद्यापीठ निरन्तर अग्रसर है ,इसी क्रम में अगरचंद नाहटा द्वारा पांडुलिपियों के संरक्षण में जो कार्य किए गए वह हमारी देश की सांस्कृतिक धरोहरों को सहजने के लिए एक अविस्मरणीय कदम हैं। संगोष्ठी की सफलता तभी होगी जब सभी मिलकर संस्कृत उत्थान के साथ पाण्डुलिपि संरक्षण को अपने जीवन का लक्ष्य बनाये। संगोष्ठी का समापन राष्टीय गान द्वारा किया गया।

आमजन एवं निवेशकों की सुविधा हेतु चयनित उप पंजीयक कार्यालय सोमवार एवं शुक्रवार को प्रातः 8 बजे से सांय 8 बजे तक खुले रहेंगे

सवाई माधोपुर। आमजन को राहत प्रदान करने और निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने आदेश जारी कर उप पंजीयक कार्यालयों के कार्यालय समय में आगामी 1 अप्रैल 2025 से वृद्धि की है। वित्त (कर) विभाग के संयुक्त शासन सचिव डॉ. खुशाल यादव ने बताया कि चयनित उप पंजीयक कार्यालय सप्ताह में दो दिन, प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक खुले रहेंगे। उन्होंने बताया कि यदि सोमवार को कोई राजकीय अवकाश होता है, तो उक्त उप पंजीयक कार्यालय अगले कार्य दिवस को प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक खुले रहेंगे। डॉ. यादव ने बताया कि उप पंजीयक कार्यालयों के कार्य समय में इस वृद्धि के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु पृथक से आदेश जारी किए जाएंगे।

बालेर में बिजली बिल संसोधन शिविर में बकाया राशि वसूली

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बालेर,खंडार। जयपुर विद्युत वितरण खंडार ने गुरुवार को बालेर के राजीव गांधी सेवा केंद्र पर शिविर आयोजित किया । इसमें कस्बे सहित निकटवर्ती गांवों के उपभोक्ता पहुंचे। उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिलों में संशोधन कर और जमा करने की सुविधा दी गई। इस शिविर में 51 उपभोक्ताओं से 7 लाख,30 हजार 795 रुपए की बकाया राशि जमा कराई गई। अनियमित बिलों में सुधार कर भुगतान की सुविधा दी गई। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली सबंधी समस्याओं के समाधान के लिए यह शिविर आयोजित किया गया। जेईएन बालेर कानाराम ने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे अपने पुराने कटे हुए और चालू कनेक्शन के बिल समय पर जमा कराएं। इससे कनेक्शन कटने की परेशानी नही होगी। उपभोक्ताओं को सरकार द्वारा दी जा रही फ्री यूनिट और अन्य छूट की योजनाओं का लाभ बकाया राशि के भुगतान के बाद ही मिलेगा।

गंगापुर में भारतीय नव वर्ष पर विशाल शोभायात्रा के साथ आयोजित होंगे अनेक कार्यक्रम

पूर्व संध्या पर भारत माता की महा आरती होगी और सजेगी की रंगोली

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

गंगापुर। चैत्र शुक्ला विक्रम विक्रम संवत 2082 दिनांक 30 मार्च रविवार को भारतीय हिंदू नव वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर गंगापुर में विशाल शोभायात्रा का आयोजन पंच तीर्थ बालाजी से रहेगा। भारतीय नव वर्ष के आयोजन को भव्यता पूर्ण मनाने के लिए अग्रसेन भवन में नव वर्ष आयोजन समिति की बैठक रखी गई जिसमें नगर के सभी सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडल के पदाधिकारी और विभिन्न हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे जिसमें यह तय किया गया कि इस बार गंगापुर नगर में ऐतिहासिक नव वर्ष मनाया जाएगा। जिसके तहत सुबह 5:00 बजे मंगरी पर ढोल नगाड़े शंख बजाकर और आतिशबाजी कर नव वर्ष का स्वागत होगा। उसके पश्चात ढोल का वादन गली मोहल्ले में किया जाएगा । नव वर्ष की पूर्व संध्या पर शहर के प्रमुख स्थानो पर रंगोली सजाई जाएगी और दीपदान किया जाएगा । साथ ही पूर्व संध्या पर भूतबावजी के यहां पर विशाल भारत माता की आरती और देशभक्ति गीतों का आयोजन किया जाएगा । नव वर्ष 30 मार्च को प्रातः 8 बजे से पंच तीर्थ बालाजी से विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी जो नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई विजय स्पोर्ट्स क्लब के यहां समापन किया जाएगा। जिसमें महिलाओं द्वारा कलश यात्रा भी रहेगी । विभिन्न सामाजिक संगठनों और समाजों द्वारा अपने महापुरुषों की झांकियां बनाई जाएगी । शोभायात्रा में जीवंत महापुरुषों की झांकियां भी रहेगी । स्वागत द्वार और स्वागत होल्डिंग लगाने की व्यवस्था भी तय की गई । भारतीय नववर्ष को भव्यता पूर्ण मनाने के लिए अलग-अलग कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंप गई। बैठक में अरविंद चौधरी ,तुषार अग्रवाल , जगदीश झवर,अभिषेक अग्रवाल, शोभा लाल जीनगर ,भेरूलाल सुराणा ,नवीन माली ,घनश्याम सिंह राठौड़, कन्हैया लाल माली,जीवन सिंह,मुरली सालवी, सुनील जोशी, दिनेश लक्षकार,कैलाश पारीक, कैलाश शर्मा,दया माली, मोनिका गहलोत, चांदमल सेन,विनोद पंचोली, यज्ञ दत्त शर्मा, जगदीश खटीक योगेश चंदेल,अभिषेक मंडोवरा,गोपाल दाधीच सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर परिषद: चिन्हीकरण का कार्य शुरू, शहर के किसी भी रसूखदार को नहीं बख्शा जाएगा

शहर के वाशिंदों को व्याप्त गंदे व बरसात के पानी की निकासी की समस्या से मिलेगी मुक्ति

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। लगता है नगर परिषद् आयुक्त को राज्य सरकार के संबंधित विभागों के विभागाध्यक्षों सहित जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी से हरी झंडी मिल गई है, अब शहर के वाशिंदों को बड़े स्तर पर व्याप्त गंदे व बरसात के पानी की निकासी की समस्या से मुक्ति मिल जाएगी।

यह बात नगर परिषद् आयुक्त अशोक शर्मा ने गुरुवार को अपने कक्ष में पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि शहर के किसी भी रसूखदार को नहीं बख्शा जाएगा। जलबहाव मार्ग में किए कब्जों को ध्वस्त कर पानी की निकासी बहाल की जाएगी। नाले पर किए कब्जों को हटाने के लिए परिषद् प्रशासन ने शहर में चिन्ह लगाने का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि परिषद् प्रशासन ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा, जो विधि विरुद्ध हो। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अक्षरशः पालना की जाएगी। फैसले के अनुसार ही जलबहाव मार्ग को अवरुद्ध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, वे चाहे कितने ही प्रभावशाली क्यों न हों। नगर परिषद् प्रशासन ने अतिक्रमणों को हटाने के लिए शहर में चिन्ह लगाने का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों परिषद् प्रशासन ने कई पार्षदों सहित प्रभावशाली लोगों के कब्जे हटाए थे। हरदेव नगर स्थित नाले पर बनी दुकानों के अतिरिक्त स्थान को ध्वस्त किया जाएगा। दुकानदारों ने पट्टों में प्रदर्शित स्थान से अधिक स्थान पर कब्जा कर पक्का निर्माण कर लिया है।

आयुक्त ने कहा कि अभी परिषद् प्रशासन के कार्यों की आलोचना हो रही है, लेकिन कुछ समय पश्चात् कार्य की सर्वत्र प्रशंसा की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंदे और बरसात के पानी की निकासी की समस्या मानवजनित है। बाड़ी और सैंपऊ रोड स्थित आवासीय कॉलोनियों में गंदा व बरसात का पानी अभी भी जमा है। नगर परिषद् के अधिशासी अभियंता गुमानसिंह पूरी तन्मयता के साथ सीवर लाइन को साफ कराने के कार्य में जुटे हैं और किसी हद तक सीवर लाईन साफ हुई है, सीवर लाइन में लोगों ने बड़ी मात्रा में वस्त्र और रोड़े डालकर जल और मल की निकासी को अवरुद्ध कर दिया था।

अशोक शर्मा ने कहा कि जल निकासी की समस्या वर्षों पुरानी है, समाधान में समय लगेगा। उम्मीद है समस्या के अंत का समय आ गया है। जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी समस्या को लेकर चिंतित हैं। वहीं कानून एवं शांति व्यवस्था भंग करने वालों सहित उत्पातियों और असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा ने भी अधीनस्थ पुलिसकर्मियों को जरूरत के मुताबिक इमदाद मुहैया कराने निर्देश दे रखे हैं।

आयुक्त ने कहा कि कई दुकानदारों ने नगर परिषद् और सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनाए नालों पर ही पक्के निर्माण कर लिए हैं, जिससे वे गंदगी से ऊपर तक भर गए हैं। बाधित जल की निकासी का एक कारण यह भी रहा है। उन्होंने बड़े आत्मविश्वास से कहा कि प्रभावित लोग ही कब्जा हटाने का विरोध कर रहे हैं। शेष शहर के वाशिंदे व बाहर से आने वाले लोग तो परिषद् के कार्यों की प्रशांसा कर रहे हैं। उन्हें बाजार चौड़ा नजर आने लगा है और सुगम यातायात की व्यवस्था भी बहाल नजर आ रही है।

बसईडांग पुलिस ने अवैध चम्बल रेता परिवहन मामले में वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के निर्देशन में जिले मे चलाये जा रहे अवैध चम्बल रेता खनन व परिवहन की रोकथाम के अभियान के तहत बसईडांग थाना पुलिस ने अवैध चम्बल रेता बजरी परिवहन के मुकदमे में वांछित आरोपी बृजराज को गिरफ्तार किया है। बसईडांग पुलिस ने बताया कि 26 मार्च को थाना क्षेत्र से अवैध चम्बल रेता का परिवहन मामले में वांछित चल रहे आरोपी बृजराज पुत्र मुंशी सिंह गुर्जर निवासी रजई खुर्द थाना बसईडांग को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ कर न्यायालय पेश किया जायेगा।

स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

आमजन को पोषण एवं स्वास्थ के प्रति किया जा रहा है जागरूक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर.....प्रतियोगिता में हिस्सा लेती छात्राएं।

धौलपुर। उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग धौलपुर धीरेंद्र सिंह सोनी के निर्देशन में एवं सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग जयप्रकाश निराणियां, सीडीपीओ धौलपुर भूपेश गर्ग, सहायक लेखाधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग मांगीलाल आर्य की उपस्थिति में पोषण अभियान के अन्तर्गत पोषण एवं स्वास्थ प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता कार्यक्रमों का आयोजन राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय धौलपुर में प्रधानाचार्य अर्चना मिश्रा की अध्यक्षता में व्याख्याता भगवान सिंह मीना की देखरेख में किया गया। उन्होंने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण और स्वास्थ्य पर पोस्टर एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य समाज में पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग धौलपुर धीरेंद्र सिंह सोनी ने बताया कि एक एकीकृत पोषण सहायता के अंतर्गत रणनीतिक बदलाव और स्वास्थ्य, कल्याण और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने वाली प्रथाओं को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए एक अभिसारी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर केंद्रित है। इस अभियान का उद्देश्य किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों की पोषण स्थिति पर जोर देना है। पोषण अभियान के अन्तर्गत जिलेभर में स्कूलों एवं कॉलेजों में ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों के माध्यम से प्रतियोगिताओं का आयोजन कर स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति आमजन को जागरूक करना विभाग का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि पोषण अभियान की शुरुआत 8 मार्च, 2018 को राजस्थान के झुंझुनू जिले में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा की गई थी। अभियान का फोकस किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों की पोषण स्थिति पर जोर देना है। यह कार्यक्रम, लक्षित दृष्टिकोण के साथ प्रौद्योगिकी, अभिसरण और सामुदायिक भागीदारी के उपयोग के माध्यम से बच्चों में अचेतनता, कुपोषण, एनीमिया और जन्म के समय कम वजन के स्तर को कम करने का प्रयास करता है, साथ ही किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं पर भी ध्यान केंद्रित करता है, इस प्रकार कुपोषण को समग्र रूप से संबोधित करता है। प्रतियोगिता प्रभारी भगवान सिंह मीना ने बताया कि प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता में लगभग 100 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया जिसमें विजेता विद्यार्थियों प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले का उचित पारितोषिक देकर सम्मान किया जाएगा। इस अवसर पर उप प्राचार्य बिंदुरानी, व्याख्याता सतीश कुमार मीणा, वरिष्ठ अध्यापक अनुपम पाराशर, आशु शर्मा, मनोज कुमार झा, वीर सिंह टांक, प्रवीण कुमार फौजदार, मोहित बघेल, विद्यार्थियों सहित अन्य मौजूद थे।

जिला संस्कृत शिक्षाधिकारी कार्यालय खुलवाने की मांग

विभागीय शिक्षक संघ ने सीएम शिक्षामंत्री व सीएस को लिखा पत्र

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। संस्कृत शिक्षा विभाग ने कहीं सीनियर प्रधानाचार्य को तो कहीं जूनियर प्रधानाचार्य को जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किया हैं, ना तो कार्यालय और ना ही स्टाफ दिया गया, इससे ना तो व्यवस्था सुधारने वाली है और ना ही संस्कृत शिक्षा का भला होने वाला है। इसे व्यवस्था को लेकर राजस्थान संस्कृत शिक्षा विभागीय शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री शिक्षामंत्री एवं मुख्य सचिव को पत्र लिख कर सभी जिला मुख्यालयों पर मुख्य जिला संस्कृत शिक्षा अधिकारी कार्यालय अविलम्ब शुरू करवाने की मांग की है। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज राजावत ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष अशोक तिवाड़ी मऊ द्वारा सरकार को लिखे पत्र में प्रत्येक जिले के लिए मुख्य जिला संस्कृत शिक्षा अधिकारी, शैक्षणिक अधिकारी,उप निरीक्षक, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं अन्य आवश्यक सभी पद प्राथमिकता से सृजित करवाकर मुख्य जिला संस्कृत शिक्षा अधिकारी कार्यालय शुरू करवाने, ब्लॉक स्तर पर सामान्य शिक्षा के सीबीईओ कार्यालय की तरह सीबीएसईओ कार्यालय स्थापित करने एवं वर्तमान में चल रही संकुल प्रभारी व्यवस्था को समाप्त कर सामान्य शिक्षा की तरह यूसीईईओ एवं पीईईओ व्यवस्था के अनुरूप यूसीएसईओ एवं पीएसईओ पद नामों से व्यवस्था लागू करने का निवेदन किया गया है। भरतपुर मण्डल अध्यक्ष राजू परमार ने बताया कि राज्य में संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार का आभार प्रकट करते हुए विभाग एवं संगठन को प्रति भेजी गयी है।

पेंशनर समाज का जिला स्तरीय अधिवेशन आज, 80 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके सदस्य होंगे सम्मानित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर.....बैठक में उपस्थित पदाधिकारी।

धौलपुर। पेंशनर समाज का जिला स्तरीय अधिवेशन आज शुक्रवार सुबह 11 बजे से परशुराम धर्मशाला मचकुंड रोड में आयोजित होगा। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर, संगठन के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी, जिला कोषाधिकारी एवं अन्य अधिकारी अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे । पेंशनर समाज के जिलाध्यक्ष विशंभरदयाल शर्मा ने बताया कि अधिवेशन में संगठन के ऐसे सदस्यों को जो अपनी 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके है उन्हें सम्मानित किया जाएगा तथा पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं एवं पेंशनरों के हित में विभिन्न बिंदुओं पर विचार किया जाएगा शर्मा ने अधिक से अधिक संख्या में पेंशनरों से जिला स्तरीय अधिवेशन में आने की अपील की है । मीडिया प्रभावी सुरेश गोस्वामी के अनुसार ऐसे पेंशनर्स जो अभी तक संगठन के सदस्य नहीं है उन्हें अधिवेशन स्थल पर सदस्य बनाया जा सकेगा इच्छुक पेंशनर्स संगठन की सदस्यता आयोजन स्थल पर ग्रहण कर सकते हैं अधिवेशन में भाग लेने वाले सभी आगुंतकों के लिए सहभोज की व्यवस्था रहेगी। अधिवेशन के संयोजक दयाकांत सक्सैना एवं जिला अध्यक्ष विशंभर दयाल शर्मा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए विभिन्न समितियो के सदस्यों के साथ गुरुवार को दौरा कर कार्यक्रम संबंधी पूरी तैयारी कर लेने की जानकारी देते उपस्थित सदस्यों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर जिला मंत्री अनवार अहमद, राजेंद्र शंकर शर्मा, गोविंद सक्सेना, मनमोहन झा, रमेश चंद माहौर, गोपाल सिंह बघेल, सुरेश गोस्वामी, दिवाकांत सक्सैना रामसेवक गौड़, दिनेश मंगल, वैद्य कन्हैया लाल, मुकेश सूतैल आदि मौजूद रहे।

मृतक के पिता ने मुलजिम को पकड़वाने हेतु एसपी से लगाई न्याय की गुहार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजाखेड़ा। राजाखेड़ा थाने में दर्ज प्रकरण में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने एवं दोषियों को दण्डित कराने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक धौलपुर से लगाई न्याय की गुहार।

नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि नाहर सिंह जाटव निवासी छेकुरिया मौहल्ला राजाखेड़ा ने बताया कि मामला 1 फरवरी 2025 का है कि उपेन्द्र सिंह अपने पुत्र को एक झोलाछाप डॉक्टर रमाकांत तौमर के पास उसके निजी क्लीनिक पर लेकर गया। जहां मृतक भूमिक को गलत इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगाने से बच्चे की मौत हो गई। मृतक के पिता उपेंद्र सिंह ने बताया कि मुकदमा उक्त थाना राजाखेड़ा पर दर्ज कराया गया और दोषियों के खिलाफ, दण्डात्मक कार्यवाही कराने की लिखित शिकायत की गई। जिला पुलिस सुमित मेहरडा ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया गया कि दोषियों को जल्द से जल्द पकड़कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जायेगा और दोषी के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

जीव और ईश्वर का मिलन है रास, काम को परास्त किया है योगेश्वर श्रीकृष्ण ने महारास के द्वारा - आचार्य

भागवत कथा के छठे दिन महारास के प्रसंग पर झूमे श्रद्धालु

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर....भागवत में भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी के विवाह की सजी झांकी ।

धौलपुर। आरएसी रोड स्थित श्रीगंगा बेटी मन्दिर परिसर में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत सप्ताह के छठे दिन भक्तों की भारी भीड़ जुटी। कथा प्रारंभ करते हुए श्रीधाम वृंदावन से पधारे कथाव्यास आचार्य कृपाशंकर जी महाराज ने कहा कि जीव है गोपी, कृष्ण है ईश्वर। परमात्मा से आत्मा का मिलन है महारास। कंस वध, गोपी उद्धव प्रसंग में बताया कि गोपियों के प्रेम के आगे उद्धव का ज्ञान छोटा पड़ गया। उन्होंने बताया कि रास तो जीव का परब्रह्म ईश्वर के साथ मिलन की कथा है। आस्था और विश्वास के साथ भगवत प्राप्ति का फल प्राप्त होता है तो उसे रास कहा जाता है। कथा प्रसंग में भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी के विवाह की झांकी ने सभी भक्तों को खूब आनंदित किया। उन्होंने कहा कि जो भक्त ईश्वर प्रेम में आनंदित होते हैं और श्रीकृष्ण तथा रूक्मिणी के विवाह में शामिल होते हैं, उनकी समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है।

कथाव्यास ने कहा जब जीव में अभिमान आता है, भगवान उनसे दूर हो जाता है। लेकिन जब कोई भगवान को न पाकर विरह में रोता है तो श्रीकृष्ण उस पर अनुग्रह करते है, उसे दर्शन देते है। भगवान श्रीकृष्ण के विवाह प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का प्रथम विवाह विदर्भ देश के राजा की पुत्री रुक्मणि के साथ संपन्न हुआ। कथा में समझाया गया कि रुक्मणि स्वयं साक्षात लक्ष्मी है और वह नारायण से दूर रह ही नही सकती। यदि जीव अपने धन अर्थात लक्ष्मी को भगवान के काम में लगाए तो ठीक नही तो फिर वह धन चोरी द्वारा, बीमारी द्वारा या अन्य मार्ग से हरण हो ही जाता है। धन को परमार्थ में लगाना चाहिए और जब कोई लक्ष्मी-नारायण को पूजता है या उनकी सेवा करता है तो उन्हें भगवान की कृपा स्वत- ही प्राप्त हो जाती है। कथा के अंत में यजमान विजय सिंह राना व नीतू राना, वीरी सिंह नरवार, नीरज सिसौदिया पार्षद, जय सिंह राना, विशाल राना, अशोक कुमार सिंह, योगेंद्र, मंजीत, वासुदेव शर्मा, प्रदीप राना, जीतेन्द्र सिंह ज्योति, कुणाल, राम कुमार सिंह, श्याम सिंह, अनिल चौधरी, धर्मवीर सिंह प्रगति, गोविंद सिंह राना, अभय राना, मनोज राना, विजय सिंह वोवले, राहुल राना, विजेंद्र सिंह राना, रजनीकांत शर्मा, नरेंद्र सिंह, नीतू राना, अंकुर राना, गौरव राना सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों ने कथा पीठ की आरती कर प्रसादी का वितरण किया।

जेवीवीएनएल को ग्राम जारह में 33/11 केवी जीएसएस निर्माण के लिये भूमि आवंटित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। प्रबंध निदेशक, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के तहत 33/11 केवी जीएसएस जारह हेतु भूमि आवंटन की गई है। उपखण्ड अधिकारी राजाखेड़ा द्वारा 33/11 केवी जीएसएस जारह हेतु भूमि आवंटन बाबत तहसील राजाखेड़ा के ग्राम जारह के आ.ख.नं. 1486/1255 रकबा 0.5817 हैक्टे0 किस्म बारानी दोयम में से 0.2529 हैक्टे0 भूमि के आवंटन प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये हैं।

जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बताया कि तहसील राजाखेड़ा के ग्राम जारह के आ.ख.नं. 1486/1255 रकबा 0.5817 हैक्टे0 किस्म बारानी दोयम में से 2500 वर्ग मीटर भूमि 33/11 केवी जीएसएस के निर्माण हेतु जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को आवंटित की गई है। उन्होंने बताया कि उपखण्ड अधिकारी व तहसीलदार राजाखेड़ा द्वारा प्रस्ताव एवं मौकापर्चा अनुसार वर्तमान में प्रस्तावित भूमि मौके पर खाली है। कोई निर्माण आदि नहीं है। भूमि के लिए पहुँच मार्ग उपलब्ध है। भूमि जल भराव या बहाव क्षेत्र में नहीं है। भूमि से होकर कोई भूमिगत तेल गैस-पाईप नहीं गुजरती है। भूमि से होकर कोई हाईटेंशन विद्युत लाईन नहीं गुजरती है। भूमि प्रतिबंधित श्रेणी की नहीं है। भूमि ग्राम जारह आबादी भूमि से लगभग 500 मीटर दूर है। भूमि पर वर्तमान में कोई प्रकरण विचाराधीन नहीं है एवं न ही किसी न्यायालय का स्थगन आदेश है।

शहर के सीताराम बाजार में एक रेडीमेड की दुकान में लगी आग

» बाड़ी... रेडीमेड की दुकान में लगी आग।

होमगार्डस ने आग की लपट देख दिखाया साहस, बढ़ी घटना को रोक बचाया लाखों का सामान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। शहर के सीताराम बाजार स्थित एक रेडीमेड की दुकान में बुधवार की देर रात आग लगने का मामला सामने आया है। घटना में जब आग की लपटे बाजार में तैनात होमगार्ड के जवानों ने दुकान से निकलती देखी तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर गश्त कर रही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच होमगार्ड जवानों के सहयोग से आज की लपटों को बुझाया साथ में दुकानदार को भी सूचना दी। दुकानदार द्वारा मौके पर पहुंच दुकान का शटर खोला गया और लोगो के सहयोग से आग को कंट्रोल किया गया है।

जानकारी के अनुसार शहर के सीताराम बाजार में साहिल पुत्र रईस खान की रेडीमेड की दुकान है। जिसमें यह आग लगने की घटना बुधवार की रात 12 से 01के बीच में हुई है। जैसे ही होमगार्ड के जवान देवेंद्र गुर्जर और तारा ने दुकान से आज की लपटे और धुआं निकलते देखा तो उन्होंने तुरंत पुलिस सूचना दी। साथ में दुकानदार को भी सूचना दी गई ऐसे में तत्परता से जब आग पर काबू पाया गया तो दुकान का लाखों का सामान जलने से बच गया। दुकान का काउंटर आगजनी की भेट चढ़ा है। पीड़ित दुकानदार साहिल के पिता रईस का कहना है कि यह आग शॉर्ट सर्किट से नहीं लगी। इसे पेट्रोल डालकर लगाया गया है। क्योंकि दुकान के पास पेट्रोल की खाली बोतल भी मिली है। घटना को लेकर कोतवाली थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। जिस रेडीमेड की दुकान में यह आग लगी है उसके ठीक बगल में साड़ी का एक बड़ा शोरूम है। अगर यह आग बढ़ती और पुलिस एवं होमगार्ड जवान तत्परता नहीं दिखाते तो साड़ी कपड़ा शोरूम भी आगजनी की भेंट चढ़ सकता था।

अंबेडकर शोभायात्रा समिति का गठन, युवा व्यापारी नेमीचंद को सौंपी जिम्मेदारी

14 अप्रैल को शहर में आयोजित होगी शोभायात्रा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» बाड़ी....अंबेडकर शोभायात्रा समिति की बैठक।

बाड़ी। शहर के अंबेडकर पार्क में बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर के 14 अप्रैल को आयोजित होने जन्मोत्सव को भव्य रूप से मनाने की तैयारियां पर चर्चा की गई। इस दौरान शोभायात्रा समिति की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमे सभी सदस्यों ने मोटरकार व्यापारी नेमीचंद पंजीपुरा को समिति का अध्यक्ष बनाया गया। साथ ही राजवीर सिंह मीणा खोखला को महामंत्री और बदन सिंह बौद्ध को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। नव नियुक्त पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी और सफल कार्यकाल के लिए शुभकामना दी गई। अध्यक्ष बनाये जाने पर नेमीचंद पंजीपुरा ने समिति के सभी सदस्यों और उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि वे समर्पित भाव से कार्य करने की प्रतिज्ञा लेते है और बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

कार्यकारिणी के विस्तार और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने आज शाम फिर से अंबेडकर पार्क में बैठक आयोजित होगी। समिति के पदाधिकारियों ने ऊर्जावान,कर्मठ और समर्पित युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर नवीन कार्यकारिणी का हिस्सा बनें और समाजसेवा में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। इस दौरान बैठक में समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी रामकुमार मीणा, हरभजन सिंह मीणा, अमर सिंह पूनिया,ज्वान सिंह मीणा,डॉ. रामनिवास, रामबाबू जगन्नाथ मीणा, पार्षद राजवीर सिंह, शिवसिंह, डॉ.बच्चू सिंह, शंभू सिंह, बादशाह, मोहर सिंह बौद्ध, मांगीलाल दूर्य, योगेश पालीवाल, मोहन सिंह, पप्पू सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

एक दिवसीय रोजगार शिविर का आयोजन 318 बेरोजगार युवाओं ने लिया भाग

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में रोजगार कार्यालय में एक दिवसीय रोजगार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राजेश गुर्जर यशस्वी ग्रुप, अनूप यादव ओगिसो लाइफ सांइस, वी.एन. श्रीवास्तव आरईसीएल, सपना सोनी आमधनी, कृष्ण कुमार पीएनजी हैल्थ केयर, उपनेश स्वेर हैल्थ केयर, ओमप्रकाश भारतीय जीवन बीमा निगम, सतीश कुमार शिवशंकर ग्लोबल आदि ने अपने-अपने विभागों से संबंधित राज्य सरकार द्वारा समस्त योजनाओं की जानकारी दी। जिला रोजगार अधिकारी विकास कुमार ने बताया कि शिविर में लगभग 318 बेरोजगार युवाओं ने भाग लिया। आमधनी ने 15, स्वेर हैल्थ केयर ने 3, आईसीएल ने 2, यशस्वी ग्रुप ने 15, पुखराज हैल्थकेयर ने 6, एसआईएस ने 12, ओगिसो लाइफ साइंस ने 4, भारतीय जीवन बीमा निगम ने 6 बेरोजगारों का प्रारम्भिक चयन किया। पीएनबी प्रशिक्षण संस्थान ने 23, आईटीआई ने 6, शिवशंकर ग्लोबल ने 7, प्रथम एजूकेशन फाउण्डेशन ने 24 प्रशिक्षण हेतु आशार्थियों का चयन किया। शिविर में 63 आशार्थियों का रोजगार एवं 60 आशार्थियों का प्रशिक्षण हेतु प्रारंभिक चयन किया गया।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा आमन्त्रण सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई–निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है– **ई–निविदा सूचना सं. 2024–25 : 168 कार्य का नाम व स्थान :** S&T room for interlocking gate at LC no.137 (SWF-PPR), 143 (KSW-AAS), 135 (SWFPPR) & Construction of OFC Room at 13 stations in C/W shifting of OFC equipment's in OFC room & Provision of Falty analysis rooms at way side station along with provision of failure analysis in the jurisdiction of DEN/Central over Jodhpur Division **अनुमानित लागत रूपये :** 2,70,44,395.00 **बयाने की राशि रूपये :** 2,85,200.00 **निविदा सूचना संख्या 168 of 2024-25** निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 03.04.2025 को 15.00 बजे तक है। वेबसाईट का विवरण जहाँ पर ई–निविदा देखी व भरी जा सकती है– www.ireps.gov.in

363-DR/25

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

जिले में वार्ड परिसीमन एवं पुनर्गठन प्रस्ताव जारी, 17 अप्रैल तक आपत्तियां आमंत्रित

धौलपुर। राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार जिले में नगर परिषद व नगर पालिकाओं के वार्ड परिसीमन और पुनर्गठन का प्रस्ताव जारी किया गया है। यह प्रस्ताव स्वायत शासन विभाग, राजस्थान सरकार के आदेश के तहत 2011 की जनगणना के आधार पर तैयार किया गया है। धौलपुर, बाड़ी, राजाखेड़ा, बसेड़ी और सरमथुरा के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में वार्डों के पुनर्गठन संबंधी यह प्रस्ताव जारी किया गया है। यदि किसी नागरिक को इस प्रस्ताव पर कोई आपत्ति या दावा दर्ज कराना हो तो वे 17 अप्रैल 2025 तक संबंधित कार्यालय में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। आपत्तियां जिला निर्वाचन अधिकारी धौलपुर के कार्यालय, संबंधित नगरपरिषद या नगरपालिका कार्यालय में कार्य दिवसों में दर्ज कराई जा सकती हैं।

आज विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

धौलपुर । 132 केवी जीएसएस मनियां पर रख-रखाव कार्य किया जा रहा है। अधिशाषी अभियन्ता ने बताया कि 33 केवी मनिया फीडर का शटडाउन होने के कारण 28 मार्च को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

अपात्रों को दिया अंतिम मौका, 30 अप्रैल तक हटवा सकेंगे नाम

धौलपुर। खाद्य सुरक्षा योजना से जुड़े सक्षम व्यक्तियों को चिन्हित कर राशन में उठाए गए गेहूं की पाई-पाई की वसूली की जायेगी। यह वसूली 27 रुपये प्रति किलों के हिसाब से की जायेगी। 30 अप्रैल तक स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा योजना से हटवाने वाले व्यक्तियों को राहत दी जायेगी। रसद विभाग द्वारा 30 अप्रैल के बाद गिव-अप अभियान में गेंहू की वसूली शुरू जायेगी। जिला रसद अधिकारी कल्याण सहाय करोल ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित सक्षम व्यक्ति को स्वेच्छा से योजना से नाम हटवाने के लिए गिव-अप अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान यदि सक्षम व्यक्ति अपना नाम योजना से नहीं हटवाते हैं तो कानूनी कार्यवाही की जाकर उठाए गए गेहूं की 27 रुपये प्रति किलो के हिसाब से वसूली की जायेगी। जिले में अब तक कुल 1178 परिवारों के 5313 व्यक्तियों ने गिव-अप योजना में आवेदन कर अपने नाम राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से पृथक करा लिये हैं।

संपादकीय

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर सर्वोच्च न्यायालय ने प्रकट किया खेद, न्यायाधीश की टिप्पणियों को बताया असंवेदनशील एवं अमानवीय दृष्टिकोण

कई बार अदालतों के सामने कुछ मामलों में कानून के बारीक बिंदुओं की व्याख्या करने में अड़चन आ जाती है, मगर यह ऐसा कोई मामला नहीं था, जिसमें कोई दिक्कत पेश आई होगी। फिर, अगर कहीं कोई संशय था, तो सुनवाई के बाद चार महीने तक फैसले को सुरक्षित रखा गया था, उस बीच उस पर विचार-विमर्श किया जा सकता था। महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में फैसला देते वक्त अदालतों से घटना, तथ्यों और प्रमाणों पर संवेदनशील तरीके से विचार करने की अपेक्षा की जाती है। मगर विचित्र है कि कई बार निचली अदालतें ऐसे मामलों में पूर्वाग्रहपूर्ण निर्णय सुना देती हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय का एक नाबालिग के साथ यौन दुर्व्यवहार के मामले में आया फैसला उसी का ताजा उदाहरण है। अदालत ने इस संबंध में फैसला दिया कि संबंधित लड़की के साथ जो किया गया, उसे बलात्कार नहीं कहा जा सकता। उचित ही, स्वतः संज्ञान लेते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने इस फैसले पर रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के इस फैसले पर खेद प्रकट करते हुए इसमें संवेदनशीलता की कमी रेखांकित की है और न्यायाधीश की टिप्पणियों को असंवेदनशील एवं अमानवीय दृष्टिकोण वाला बताया है। यह बात किसी को गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान पड़ा। महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में तो उन्हें घूरने, गलत इशारे करने, पीछा करने आदि को भी आपराधिक कृत्य माना गया है। फिर उस लड़की के मामले में हर पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया! यह ठीक है कि कई बार अदालतों के सामने कुछ मामलों में कानून के बारीक बिंदुओं की व्याख्या करने में अड़चन आ जाती है, मगर यह ऐसा कोई मामला नहीं था, जिसमें कोई दिक्कत पेश आई होगी। फिर, अगर कहीं कोई संशय था, तो सुनवाई के बाद चार महीने तक फैसले को सुरक्षित रखा गया था, उस बीच उस पर विचार-विमर्श किया जा सकता था। महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रति सर्वोच्च न्यायालय संवेदनशील रहा है। इसका बड़ा उदाहरण पिछले वर्ष देखा गया, जब तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश ने कुछ शब्दों को महिला सम्मान के विरुद्ध मानते हुए उनकी जगह सम्मानजनक शब्द सुझाए थे। कुछ अशोभन कहे जाने वाले शब्द, जो प्रायः महिलाओं से जुड़े मामलों में लंबे समय से अदालतों में प्रयुक्त होते आ रहे थे, उन्हें बदल दिया गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे शब्दों की सूची बना कर देश की सभी अदालतों में प्रसारित किया था। इसके बावजूद अगर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश ने महिला अस्मिता से जुड़े अहम पक्षों को सरसरी ढंग से देखने का प्रयास किया, तो उस पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है। पहले ही महिला यौन उत्पीड़न के मामलों में शिकायतें दर्ज कराने को लेकर चुप्पी साध जाने या कदम वापस खींच लेने को लेकर चिंता जताई जाती रही है। फिर, जांच में पूर्वाग्रह, दबाव, साठगांठ आदि के चलते पर्याप्त सबूत न मिल पाने के कारण दोष सिद्धि की दर बहुत कम रहना भी चिंता का विषय है। ऐसे में अगर अदालतें खुद अपने फैसलों में संकुचित दृष्टिकोण दिखाएंगी, तो ऐसे मामलों पर लगाम लगने का भरोसा भला कैसे बन सकेगा।

अच्छा श्रोता सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि दूसरों के लिए भी साबित होता है फायदेमंद, मनोचिकित्सक की निभाता है भूमिका

> "इस दुनिया में बोलना सभी को आता है, लेकिन सुनना और वह भी धैर्यपूर्वक और पूरी शांति से किसी की बात सुनना, बहुत कम लोगों को आता है। जबकि एक अच्छा श्रोता होना श्रेष्ठ गुण है। कोई भी व्यक्ति अच्छे श्रोता से बात करने में खुशी महसूस करता है, जो उसकी बात को पूरी तन्मयता से और साथ सुनता है और उसके बाद उस विषय पर सार्थक संवाद करता है।"

एक अच्छा श्रोता मनोचिकित्सक की तरह होता है, क्योंकि वह किसी के मन में दबी हुई कड़वी यादों, अनुभव और बातों को बाहर निकाल कर उसके हृदय को भारहीन, पीड़ाहीन कर उसे खुशी और संतुष्टि देता है। यानी अच्छा श्रोता सिर्फ अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए भी फायदेमंद होता है। जब हम किसी से बात कर रहे होते हैं, तो सामने वाले की बात को पूरे ध्यान से सुनने का प्रयास करना चाहिए।

इस दुनिया में बोलना सभी को आता है, लेकिन सुनना और वह भी धैर्यपूर्वक और पूरी शांति से किसी की बात सुनना, बहुत कम लोगों को आता है। जबकि एक अच्छा श्रोता होना श्रेष्ठ गुण है। कोई भी व्यक्ति अच्छे श्रोता से बात करने में खुशी महसूस करता है, जो उसकी बात को पूरी तन्मयता के साथ सुनता है और उसके बाद उस विषय पर सार्थक संवाद करता है। वक्ता का बोलना सार्थक होता है, श्रोता का सुनना सार्थक होता है। अच्छा श्रोता बनना ऐसी कला है, जो सभी को आनी चाहिए, क्योंकि इसके अनेक फायदे हैं। अच्छा श्रोता बन कर ही हम दुनिया की बातों के जरिए उनके अनुभव से दुनिया के बारे में अत्यधिक समझ विकसित कर सकते हैं, उसमें से अपने काम की बातों को ग्रहण कर सकते हैं। मनुष्य का जीवन बहुत छोटा है। वह हर एक बात का अपने जीवन में अनुभव नहीं कर सकता है और न हर परिस्थिति को जी सकता है। कुछ न कुछ हमें दूसरों के जीवन से सीखना पड़ता है। इसके लिए उन्हें समझना और सुनना पड़ता है। इसलिए बहुत जरूरी है कि जब कोई अपना अनुभव या अपने सार्थक विचार हमें सुनाए, तो हम एक अच्छा श्रोता बन कर सुनें। उसके सार तत्त्व को ग्रहण करें और अपने ज्ञान को समृद्ध करें, ताकि उसके अनुभव का भरपूर लाभ हमें भी मिले। मगर यह तभी संभव है जब हम धैर्यपूर्वक किसी की बात को तन्मयता से सुनें। विंस्टन चर्चिल का कहना था कि 'अगर आप सिर्फ बोलना जानते हैं, तो कभी सफल नहीं हो सकते हैं'। यानी सुनना मनुष्य के लिए बहुत ही फायदेमंद है और वह उसकी सफलता में भी सहयोगी है। कहा भी गया है कि किसी अक्लमंद से बात करना हजार किताबों को पढ़ने के बराबर होता है। तो सिर्फ बात करने से ही काम नहीं बन सकता है, बल्कि उन बातों को ध्यानपूर्वक अपने मन में उतारना भी पड़ता है और उसके लिए अच्छा श्रोता भी बनना पड़ता है।

एक अच्छा श्रोता मनोचिकित्सक की तरह होता है, क्योंकि वह किसी के मन में दबी हुई कड़वी यादों, अनुभव और बातों को बाहर निकाल कर उसके हृदय को भारहीन, पीड़ाविहीन कर उसे खुशी और संतुष्टि देता है। यानी अच्छा श्रोता सिर्फ अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए भी फायदेमंद होता है। जब हम किसी से बात कर रहे होते हैं, तो सामने वाले की बात को पूरे ध्यान से सुनने का प्रयास करना चाहिए। यह शारीरिक-मानसिक दोनों रूप से होना चाहिए। धैर्यपूर्वक सुनने के बाद ही उसका उत्तर या उस पर अपने विचार प्रकट किया जाए, तो हम ज्यादा बेहतर तरीके से अपना विचार प्रकट करते हैं। अगर बिना बात को सुने हम किसी बात पर अपना विचार प्रकट करते हैं, तो वह अर्थहीन होगा, क्योंकि जब हम किसी की बात को पूरी तरह सुनेंगे नहीं, तो उस बात का सटीक उत्तर कहां से दे सकते हैं। अक्सर लोग सिर्फ अपनी बातों का एकालाप करते रहते हैं। एकालाप का अर्थ है सिर्फ अपनी बात कहते जाना, सामने वाले की बिल्कुल नहीं सुनना। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए। यह बात बहुत अजीब लग सकती है, लेकिन यही सच है। हर कोई अच्छा श्रोता नहीं होता है और न ही उसके पास अच्छा श्रोता बनने की कला होती है। जिस प्रकार अच्छा लिखने के लिए काफी कुछ पढ़ना पड़ता है, इसी प्रकार एक अच्छा वक्ता बनने के लिए हमें पहले अच्छा श्रोता बनना पड़ता है। कुछ लोगों के भीतर इतना भी शिष्टाचार नहीं होता है कि वे पूरी बात को सुनने के बाद अपनी बात रखें। वे बात को बीच में ही काट कर या अनसुना करके अपनी बात कहना शुरू कर देते हैं। शुरूआत से ही वे बातों पर न पूरी तरह ध्यान दे रहे होते हैं और न सुन रहे होते हैं। ऐसे में वक्ता को घोर निराशा होती है। जबकि अगर कोई कुछ बोल रहा है या अपने विचार प्रस्तुत कर रहा है, तो उसको अपने विचार समाप्त करने देना जरूरी होता है। बीच में टोकने से यह पता चलता है कि हम वास्तव में उनके विचारों की परवाह नहीं करते हैं। या उनके लिए हमारे अंदर सम्मान की कमी है, जिसके कारण हम उन पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। वहीं अगर कोई हमारी बात और हमारे विचारों में दिलचस्पी लेता है, तो हम खुश, संतुष्ट और अपने आप को उत्साहित और प्रेरित महसूस करते हैं। श्रोता बनने के लिए हमें धैर्यपूर्वक दूसरों को अपनी बात कहने के लिए उत्साहित करना चाहिए। उनकी बातों में दिलचस्पी लेकर उनसे उनकी बात से संबंधित सवाल पूछने चाहिए। बीच में बात काट कर अशिष्टता नहीं करनी चाहिए और न ही विषय बदल कर अपनी अरुचि दिखानी चाहिए। यह हमारे अच्छा श्रोता बनने के मार्ग में बाधक बनता है। हम खुद यह विचार करके देखें कि हम किसी से अपनी पीड़ा, मनोभावना बांट रहे हैं और वह व्यक्ति हमारी बात को काट कर या अनसुना करके अपनी बात कहना शुरू कर दे, तो क्या भविष्य में ऐसे व्यक्ति से हम कोई बात कर पाएंगे? हमारा थोड़ा-सा प्रयास हमें अच्छा श्रोता बना सकता है और इस कला को विकसित करने के कई तरीके हैं। या तो हम स्वयं इस दिशा में प्रयास करें या फिर हम किसी चिकित्सक की मदद लेकर अपने इस कौशल पर काम कर सकते हैं।

शहरी विकास का सही तरीका, अर्बन प्लानिंग के लिए ठोस प्रयास आवश्यक

हमें शहरी नियोजन में इन्हीं तीन गुणों का समावेश करना होगा। भारत के भविष्य निर्माण के लिए शहरी प्रबंधन शिक्षा एक महत्वपूर्ण निवेश है। हमारे पास एक बेहतर भारत की कल्पना और रूपरेखा है। बस अपने पेशेवरों को शहरी प्रबंधन के कौशल से निपुण बनाना है। तभी शहरी भारत 2.0 की भव्यता पूर्ण रूप से प्रकट होगी और हम भविष्य के शहरों को पुनर्परिभाषित कर सकेंगे। पांच ट्रिलियन (लाख करोड़) डॉलर की इकोनमी बनने की भारत की अभिलाषा में स्थायी और समावेशी शहरी विकास की आकांक्षा एक अपरिहार्य तत्व है। यह आकांक्षा तीव्र शहरीकरण, पर्यावरण परिवर्तन और सामाजिक असमानता से तत्काल निपटने से संबंधित है। इन जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए देश को कुशल प्लानरों और ऐसे पेशेवरों की जरूरत है, जो पर्यावरण अनुकूल, सभी को समान अवसर देने वाले और सशक्त शहरी वातावरण को सार्थक दिशा देने की क्षमता के धनी हों। भारत में प्लानिंग एजुकेशन पर फिर से विचार किया जाना चाहिए। शहरी विकास के परिदृश्य को नए नजरिये से देखना आवश्यक हो गया है। इसके साथ ही प्लानिंग एजुकेशन का रूपांतरण भी जरूरी है। अब हमें प्लानिंग के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक आयामों के व्यापक परिदृश्य वाला दृष्टिकोण अपनाना होगा। इस दिशा में परिणाम आधारित शिक्षा की पहल उपयोगी होगी। इसके अंतर्गत पाठ्यक्रम कुछ इस तरह निर्धारित करना होगा कि वह रोजगार बाजार की तेजी से बढ़ती मांग के अनुरूप हो। उससे ऐसे स्नातक निकलें, जो केवल सैद्धांतिक ज्ञान से ही लैस न हों, बल्कि उनके पास तकनीकी, विश्लेषणात्मक और संवाद के ऐसे कौशल हों, जो वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से जूझ सकें। इसके साथ ही उनमें नीतियों के विश्लेषण की क्षमता हो और वे सामाजिक समानता और आर्थिक विकास की बारीकियों को समझते हों। प्लानिंग एजुकेशन को समाजशास्त्र, आर्थिकी, पर्यावरण विज्ञान और तकनीक के इस्तेमाल जैसे विषयों की समझ और उन्हें समग्र रूप से अपनाने का पहलू पाठ्यक्रम में शामिल होना चाहिए। शहरी प्रबंधन, शहरी वित्त, परियोजना विकास, नीति नियोजन तथा विश्लेषण जैसे विषय आधुनिक शहरी परिदृश्य की जटिलताओं से निपटने के लिए बेहद आवश्यक हैं। संस्थानों को अस्थायी शिक्षकों के बजाय प्रतिबद्ध और पूर्णकालिक शिक्षकों में निवेश करना चाहिए। पर्यावरण परिवर्तन, समस्याओं से निपटने के लिए शहरों की क्षमता

निर्माण जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एकीकृत पारिस्थितिकी विशेषज्ञता की जरूरत है। इस दिशा में इंस्टीट्यूट आफ टाउन प्लानर्स जैसे नियामकीय निकाय यह सुनिश्चित करते हैं कि प्लानिंग का काम संकीर्ण रियल एस्टेट हितों के बजाय व्यापक जनहित को प्राथमिकता दे। इसमें सभी पक्षों के साथ समन्वय के लिए आवश्यक है कि प्लानरों के पास मजबूत प्रबंधकीय कौशल हो, जिसमें विवादों का समाधान, बातचीत, मध्यस्थता और पैरवी शामिल है। नियोजन संबंधी ज्ञान में वैज्ञानिक नजरिया, नैतिकता और सौंदर्यबोध भी जरूरी है। प्लानरों को नवाचारी और समुदायों के सांस्कृतिक तथा सामाजिक ताने-बाने के प्रति भी संवेदनशील होना चाहिए। प्लानिंग के काम में सामाजिक न्याय का महत्व समझने के लिए मेडिकल शिक्षा एक अच्छा उदाहरण है। हम डाक्टरों को इस तरह तैयार करते हैं कि वे लोगों के जीवन की रक्षा करने की महती जिम्मेदारी का निर्वहन कर सकें।

उनकी शिक्षा और प्रशिक्षण में लगभग दस साल लगते हैं। इसके बाद ही वे स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए तैयार होते हैं। दूसरी ओर अर्बन प्लानर हैं, जिन पर पूरे समुदाय के सुगम एवं सुखद जीवन का जिम्मा होता है। क्या उन्हें तैयार करने के लिए केवल दो साल काफी हैं। मेडिकल शिक्षा की तरह अर्बन प्लानिंग को भी मात्र एक डिग्री तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमें प्लानरों को लगातार सीखने की प्रक्रिया से गुजारना होगा। अर्बन प्लानिंग में विशेषज्ञता के कोर्स होने चाहिए। इसी से हमारे प्लानर नवाचार और टिकाऊ शहरी विकास की अग्रणी पंक्ति में रहेंगे। शहरी नियोजन के इस नए युग में जोर तकनीकी विशेषज्ञता पर होना चाहिए। निर्णय लेने की प्रभावशाली प्रक्रिया और समन्वय के लिए साफ्ट स्किल्स का विकास जरूरी है। इसमें संवाद का महत्व बढ़ जाता है। कांट्रैक्ट मैनेजमेंट और खरीद के मामलों में इसकी अधिक जरूरत होती है। अर्बन प्लानिंग को गंभीर और समर्पित पेशे के रूप में स्थापित करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों, पेशेवर समूहों और प्रैक्टिशनर्स सभी की ओर से ठोस प्रयास आवश्यक हैं।

निरंतर सीखने की संस्कृति, विशेषज्ञता और जरूरी साफ्ट स्किल के साथ प्लानिंग एजुकेशन ऐसे पेशेवर तैयार कर सकती है, जो शहरी विकास की बहुआयामी चुनौतियों का सामना कर सकें। शहरी नियोजन के प्रति ऐसा दृष्टिकोण न केवल आज की जरूरतों की पूर्ति के लिए है, बल्कि यह भविष्य के हमारे शहरों को तैयार करने में भी मदद करेगा। गुणवत्तापरक जीवन, पर्यावरण अनुकूलता और आर्थिक विकास के त्रिआयामी लक्ष्य को हासिल करने के लिए हर फैसले और कार्य में उचित संतुलन और सटीकता चाहिए। शहरी नियोजकों को शासन, वित्त, योजना, नवाचार, तकनीक में महारत हासिल करनी होती है। हमारे प्लानर सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा से प्रेरणा ले सकते हैं। सरस्वती ज्ञान की देवी हैं, लक्ष्मी समृद्धि की और दुर्गा शक्ति की। हमें शहरी नियोजन में इन्हीं तीन गुणों का समावेश करना होगा। भारत के भविष्य निर्माण के लिए शहरी प्रबंधन शिक्षा एक महत्वपूर्ण निवेश है। हमारे पास एक बेहतर भारत की कल्पना और रूपरेखा है। बस अपने पेशेवरों को शहरी प्रबंधन के कौशल से निपुण बनाना है। तभी शहरी भारत 2.0 की भव्यता पूर्ण रूप से प्रकट होगी और हम भविष्य के शहरों को पुनर्परिभाषित कर सकेंगे।

सांसदों का आचरण, लोकसभा अध्यक्ष को बार-बार देनी पड़ रही नसीहत

> लोकसभा अध्यक्ष को एक बार फिर सदन में सांसदों के आचरण पर नसीहत देनी पड़ी। इस बार यह नसीहत राहुल गांधी के संदर्भ में देनी पड़ी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी की ओर संकेत करते हुए उनसे सदन की गरिमा बनाए रखने को कहा। उनकी टिप्पणी से यह तो स्पष्ट नहीं हुआ कि वह उनकी किस गतिविधि को रेखांकित कर रहे थे

गत दिवस लोकसभा अध्यक्ष की नसीहत के जवाब में राहुल गांधी ने उन पर यह आरोप लगाया कि उन्हें बोलने का अवसर नहीं दिया जा रहा। उन्होंने ऐसा इसलिए भी कहा क्योंकि लोकसभा अध्यक्ष की टिप्पणी से यह साफ नहीं हुआ कि वह उनके किस आचरण की ओर संकेत कर रहे थे। बेहतर हो कि सत्तापक्ष और विपक्ष इस पर मंथन करें

लोकसभा अध्यक्ष को एक बार फिर सदन में सांसदों के आचरण पर नसीहत देनी पड़ी। इस बार यह नसीहत राहुल गांधी के संदर्भ में देनी पड़ी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी की ओर संकेत करते हुए उनसे सदन की गरिमा बनाए रखने को कहा। उनकी टिप्पणी से यह तो स्पष्ट नहीं हुआ कि वह उनकी किस गतिविधि को रेखांकित कर रहे थे, लेकिन उन्होंने जिस तरह यह कहा कि इस सदन में पिता-पुत्री, माता-पुत्री एवं पति-पत्नी सदस्य रहे हैं और वह नेता विपक्ष से यह अपेक्षा करते हैं कि उनकी ओर से नियम 349 के अनुरूप आचरण किया जाए,उससे यही लगता है कि उन्हें उनका कोई कृत्य सदन की गरिमा के अनुकूल नहीं लगा। अब लोकसभा अध्यक्ष से आए दिन यह सुनने को मिलता है कि सांसद सदन में मर्यादा और शालीनता के मानदंड बनाए रखें। गत दिवस तो उन्होंने यह भी कहा कि उनके संज्ञान में ऐसी कई घटनाएं आई हैं, जब सांसदों का आचरण सदन की उच्च परंपराओं के अनुरूप नहीं रहा। यह पहली बार नहीं है, जब संसद में सांसदों के आचरण को लेकर सवाल उठे हों और इससे संबंधित नियम 349 का उल्लेख हुआ हो। अभी चंद दिन पहले जब द्रमुक सांसद लोकसभा में नारे लिखी टीशर्ट पहनकर आए थे, तब भी इस नियम का हवाला देकर उनसे मर्यादा में रहने को कहा गया था। इसी तरह पिछले वर्ष जब राहुल गांधी लोकसभा में फोटो लेकर पहुंचे थे और उन्होंने उसे अपने संबोधन के समय लहराया था, तब भी इस नियम का उल्लेख किया गया था। इसमें संदेह है कि लोकसभा में सांसदों की ओर से सदन की मर्यादा के अनुरूप आचरण न करने पर नियम 349 का उल्लेख करने से उनके कार्य-व्यवहार में सुधार आ जाएगा, क्योंकि ससंद के भीतर नारे लिखे पोस्टर लहराने, नारेबाजी करने के मामले आए दिन देखने को मिलते हैं। जब उन्हें ऐसा करने से रोका-टोका जाता है और सदन की मर्यादा का पालन करने को कहा जाता है तो वे इस आरोप के साथ सामने आ जाते हैं कि उनकी अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोटा जा रहा है। इन दिनों तो यह आरोप बहुत आम हो गया है। ऐसा क्यों है, इस पर विचार होना चाहिए। गत दिवस लोकसभा अध्यक्ष की नसीहत के जवाब में राहुल गांधी ने उन पर यह आरोप लगाया कि उन्हें बोलने का अवसर नहीं दिया जा रहा। उन्होंने ऐसा इसलिए भी कहा, क्योंकि लोकसभा अध्यक्ष की टिप्पणी से यह साफ नहीं हुआ कि वह उनके किस आचरण की ओर संकेत कर रहे थे। बेहतर हो कि सत्तापक्ष और विपक्ष इस पर मंथन करें कि संसद को सही तरीके से कैसे चलाया जाए। यह तभी संभव है, जब दोनों पक्ष एक-दूसरे को समझेंगे। ध्यान रहे कि ताली एक हाथ से नहीं बजती।

आज के दौर में रंग-भेद का लोग हो रहे शिकार, शारदा मुरलीधरन पर की गई अभद्र टिप्पणी इसका जीता जागता प्रमाण

> नस्ल और रंग के आधार पर भेदभाव पूरी दुनिया में चिंता का विषय है। भारतीय समाज भी इससे मुक्त नहीं है। सदियों से इस तरह के भेदभाव में महिलाएं कुछ ज्यादा ही निशाने पर होती आई हैं। दुख की बात है कि न केवल शिक्षित लड़कियां, बल्कि बड़े ओहदे पर आसीन महिलाएं भी इससे बच नहीं पाई हैं।

हम बेशक आधुनिक कहलाने में गर्व महसूस करते हों, लेकिन स्त्रियों के प्रति, खासकर उनके रंग-रूप को लेकर सोच आज भी नहीं बदली है। उनकी सफलता को रंग-रूप के चश्मे से देखना विकृत मानसिकता का परिचायक है। नस्ल और रंग के आधार पर भेदभाव पूरी दुनिया में चिंता का विषय है। भारतीय समाज भी इससे मुक्त नहीं है। सदियों से इस तरह के भेदभाव में महिलाएं कुछ ज्यादा ही निशाने पर होती आई हैं। दुख की बात है कि न केवल शिक्षित लड़कियां, बल्कि बड़े ओहदे पर आसीन महिलाएं भी इससे बच नहीं पाई हैं। भारतीय स्त्रियां रंग-रूप को लेकर जीवन भर चुभने वाली टिप्पणियों का सामना करती हैं। जबकि यह हकीकत है कि हजारों-लाखों महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और संघर्ष से हर क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। केरल की मुख्य सचिव शारदा मुरलीधरन उनमें से एक हैं। हालांकि अपने सांवले रंग को लेकर समाज के पूर्वाग्रह से वे नहीं बच सकीं। सोशल मीडिया के एक मंच पर पिछले दिनों उन्हें अपने बारे में अभद्र टिप्पणी पढ़ने को मिली। स्वाभाविक रूप से यह उन्हें नागवार गुजरी। उन्होंने लिखा कि किसी ने मेरे मुख्य सचिव के कार्यकाल की तुलना मेरे पति के कार्यकाल से करते हुए लिखा कि यह उतना ही काला है, जितना मेरे पति गोरे थे। मगर मुझे अपने काले रंग से कोई दिक्कत नहीं। मुझे यह रंग पसंद है। उचित ही उनकी इस प्रतिक्रिया के बाद विमर्श शुरू हो गया है। हम बेशक आधुनिक कहलाने में गर्व महसूस करते हों, लेकिन स्त्रियों के प्रति, खासकर उनके रंग-रूप को लेकर सोच आज भी नहीं बदली है। उनकी सफलता को रंग-रूप के चश्मे से देखना विकृत मानसिकता का परिचायक है। यह निराशाजनक है कि किसी महिला की योग्यता को उसके पति के रंग से परखा जाए। शारदा मुरलीधरन ने किसी व्यक्ति की अनुचित और अरुचिकर टिप्पणी का जवाब देकर पूर्वाग्रहों पर कठोर प्रहार किया है। हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखने के बाद उसे हटा दिया था, लेकिन बाद में कुछ शुभचिंतकों के यह कहने पर लिखा कि इस विषय पर सामाजिक विमर्श होना चाहिए। इसका सकारात्मक पहलू यह है कि रंग के मुद्दे पर शारदा के लिखे विस्तृत जवाब का बड़ी संख्या में लोगों ने स्वागत किया है। इससे पता चलता है कि कुछ लोग बेशक संकीर्ण सोच रखते हों, लेकिन समाज बदल रहा है।

मेसी 14 साल बाद भारत में फ्रेंडली मैच खेलेंगे

अर्जेंटीना टीम कोच्चि आएगी, नवंबर में केरल सरकार ने घोषणा की थी, अब एसोसिएशन का कन्फर्मेशन

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी 14 साल बाद भारत में फ्रेंडली मैच खेलने के लिए अर्जेंटीना टीम के साथ आएंगे। बुधवार को अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन इसकी घोषणा की। इससे पहले मेस्सी ने 2011 में भारत का दौरा किया था, जब अर्जेंटीना ने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन मैच खेला था।

केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमन ने पिछले साल नवंबर में अर्जेंटीना की टीम का केरल का दौरा करने और कोच्चि में दो दोस्ताना मैच खेलने की घोषणा की थी।

एचसीबीसी इंडिया ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के साथ किया सहयोग एचएसबीसी इंडिया बुधवार को भारत में फुटबॉल के सहयोग और प्रचार के लिए अर्जेंटीना की टीम का आधिकारिक साझेदार बन गया। उसने घोषणा की कि मैच अक्टूबर में आयोजित किए जाएंगे।

एचएसबीसी इंडिया ने बताया कि इस साझेदारी के तहत दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी समेत अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम अक्टूबर 2025 में एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी मैच खेलने के लिए भारत का दौरा करेगी।

अर्जेंटीना ने 2022 में 36 साल बाद जीता था फुटबॉल वर्ल्ड कप खिताब अर्जेंटीना ने 2022 में 36 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप खिताब जीता था। इससे पहले अर्जेंटीना 1986 में विश्प कप जीता था। कतर में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में अर्जेंटीना ने फ्रांस को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हरा दिया।

तय 90 मिनट तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर रही थी। एक्स्ट्रा टाइम के बाद मुकाबला 3-3 की बराबरी पर रहा था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट से फैसला हुआ। फाइनल में मेसी ने दो गोल किए। वहीं, फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने हैट्रिक जमाई थी। अर्जेंटीना 1978 में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बना था। 2026 वर्ल्ड कप के लिए अर्जेंटीना क्वालिफाई कर चुका अर्जेंटीना ने 26 मार्च को ब्राजील को 4-1 से हरा कर 2026 वर्ल्ड कप कप के लिए क्वालिफाई किया है। इस मैच में लियोनेल मेसी नहीं खेले थे। ब्यूनस आयर्स में खेले गए इस मुकाबले में ब्राजील की टीम बिल्कुल फीकी नजर आई।

अर्जेंटीना के लिए जूलियन अल्वारेज, एन्जो फर्नांडेज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर और गुलियानो सिमियोने ने गोल किए। ब्राजील की तरफ से इकलौता गोल मैथ्यूस कुन्हा ने किया।

बॉक्सर स्वीटी बूरा की तबीयत बिगड़ी, पैनिक अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। हिसार की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर स्वीटी बूरा की बुधवार को तबीयत बिगड़ गई। पैनिक अटैक आने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्वीटी ने इसकी जानकारी खुद सोशल मीडिया पर दी। इससे पहले 23 मार्च को स्वीटी को तेज बुखार आया था। तबीयत खराब होने के बाद उन्होंने 24 मार्च को रोहतक आईजी से मुलाकात का प्रोग्राम कैंसिल कर दिया था। 24 मार्च को पति दीपक हुड्डा से थाने में मारपीट करने का वीडियो सामने आने के बाद स्वीटी बूरा ने कहा था कि मुझे जानबूझकर हिंसात्मक दिखाया जा रहा है, जबकि दीपक हुड्डा ही मुझसे मारपीट करते थे। 15 मार्च को थाने में दीपक ने मुझे वीडियो दिखाने के लिए बुलाया था। जो मारपीट की वीडियो वायरल हुई, उसमें शुरू और आखिरी का हिस्सा गायब है, जिसमें दीपक मुझे अपशब्द कह रहे हैं।

बाद में मुझे पैनिक अटैक भी आया, लेकिन वह हिस्सा गायब कर दिया गया है। थाने का वीडियो सार्वजनिक होने का मतलब यह है कि इस केस में दीपक के साथ हिसार एसपी मिले हुए हैं। स्वीटी बूरा के पति से मारपीट का डेढ़ मिनट का वीडियो सामने आया था। जिसमें दिख रहा था कि हिसार के पुलिस थाने में पहले स्वीटी और दीपक के बीच बहस हुई। इसके बाद स्वीटी हाथ पर जोर से ताली मारते हुए खड़ी हुई और सामने कुर्सी पर बैठे दीपक हुड्डा पर हमला कर दिया। स्वीटी थाने में सबकी मौजूदगी में दीपक का गला दबा रही हैं। उन्हें पकड़कर झिंझोड़ रही हैं।

टॉम लैथम पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

दाहिने हाथ में फ्रैक्चर, हेनरी निकोल्स टीम में शामिल

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम लैथम चोट की वजह से पाकिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से बाहर हो गए है। प्रैक्टिस के दौरान उनका दाहिना हाथ फ्रैक्चर हो गया है।

उनकी जगह बल्लेबाज हेनरी निकोल्स को टीम में शामिल किया गया है। वहीं लैथम की गैरमौजूदगी में माइकल ब्रेसवेल टीम की कमान संभालेंगे। दोनों टीमें 29 मार्च से 3 मैचों की वनडे सीरीज में भिड़ेंगी। सीरीज का आखिरी मुकाबला 5 अप्रैल को खेला जाएगा।

टॉम नेट प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हुए थे दरअसल, लैथम को इस हफ्ते नेट पर बल्लेबाजी करते समय चोट लग गई थी। एक्स-रे के बाद पता चला कि उनके हाथ में फ्रैक्चर है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि, उन्हें कम से कम चार हफ्ते मैदान से दूर रहना होगा।

हेनरी निकोल्स रिप्लेस करेंगे, घरेलु टूर्नामेंट से वापसी की हेनरी निकोल्स अभी तक 78 वनडे मैच खेल चुके है। उन्होंने अपने काफ में आई चोट के बाद छह पारियों में पांच अर्द्धशतक बनाकर घरेलू क्रिकेट से वापसी की है। वे इस मैच में लैथम की जगह बल्लेबाजी करेंगे।बल्लेबाज विल यंग भी दूसरे-तीसरे मैच से बाहर इस बीच सलामी बल्लेबाज विल यंग अपनी प्रेगनेंट पत्नी जेनिफर बर्मिंघम के साथ रहने के लिए दूसरे और तीसरे वनडे मैच से बाहर रहेंगे। यंग शनिवार को नेपियर में सीरीज का पहला मैच खेलेंगे। जिसके बाद उनकी जगह कैंटरबरी के नए बल्लेबाज राइस मारिउ को शामिल किया जाएगा, जिन्हें पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड ने टी-20 सीरीज अपने नाम की न्यूजीलैंड ने टी-20 सीरीज के 5वें और आखिरी मुकाबले में पाकिस्तान को 8 विकेट से हरा दिया था। जिसके बाद टीम ने 4-1 से सीरीज को जीत लिया। बुधवार को वेलिंग्टन में कीवी टीम ने 129 रन का टारगेट 10 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। पाकिस्तान ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 128 रन बनाए।

गत चैंपियन मीनाक्षी और अनामिका 8वीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में

ग्रेटर नोएडा। गत चैंपियन मीनाक्षी और अनामिका हुड्डा ने बुधवार को विपरीत अंदाज में जीत के साथ 8वीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है । मौजूदा मिनिममवेट (45-48 किग्रा) चैंपियन मीनाक्षी (एआईपी) अजेय रहीं। उन्होंने दिल्ली की संजना को तीसरे राउंड में आरएससी जीत के साथ हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस बीच, लाइट फ्लाईवेट (48-51 किग्रा) खिताबधारी अनामिका हुड्डा (आरएसपीबी) को अब तक की सबसे कठिन परीक्षा का सामना करना पड़ा। उन्होंने तमिलनाडु की कलैवानी एस को 4-3 के स्प्लिट डिसीजन से हराया। मीनाक्षी अब सिक्किम की यासिका राय से भिड़ेंगी, जबकि अनामिका का सामना हरियाणा की तमन्ना से होगा। उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के सहयोग से भारतीय मुक्केबाजी महासंघ द्वारा आयोजित यह चैंपियनशिप 20 से 27 मार्च, 2025 तक उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हो रही है।

सप्ताह भर चलने वाले इस टूर्नामेंट में 24 राज्य इकाइयों के 180 मुक्केबाज दस भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जो विश्व मुक्केबाजी तकनीकी और प्रतियोगिता नियमों का पालन करता है। इसमें एक मिनट के ब्रेक के साथ तीन-तीन मिनट के राउंड शामिल हैं।

जैस्मीन लेम्बोरिया (एसएससीबी) ने एक बार फिर अपना दबदबा साबित करते हुए एक और आरएससी जीत हासिल की।

इस बार उन्होंने फेदरवेट (54-57 किग्रा) सेमीफाइनल में पंजाब की विशाखा वर्टिया के खिलाफ राउंड 3 में हराया। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता ने अब तक अपनी प्रतिद्वंद्वियों को अथक शक्ति और सटीकता के साथ परास्त किया है, और अब उनका सामना हरियाणा की प्रिया से होगा, जिन्होंने रेलवे की पूनम को हराकर रोमांचक खिताबी मुकाबले में जगह बनाई है। 60-65 किग्रा वर्ग में, विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता सोनिया लाठेर ने महाराष्ट्र की पूनम कैथवास पर 5-0 की जीत के साथ अपने खिताबी अभियान को बरकरार रखा। संजू के दमदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में उनका सामना संजू (एआईपी) से होगा।

व्यापार

हुरुन रिच लिस्ट : मुकेश अंबानी देश में सबसे अमीर, नेटवर्थ 8.6 लाख करोड़

अडाणी दूसरे नंबर पर एचसीएल की रोशनी नाडार पहली बार टॉप-10 में

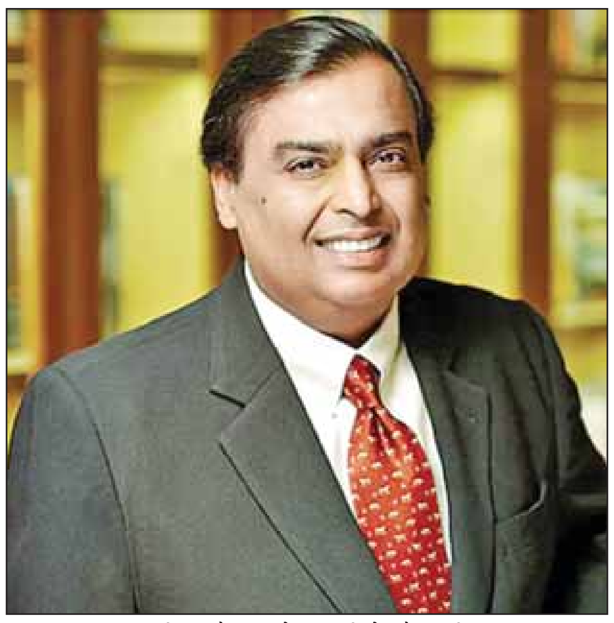

नई दिल्ली। हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने भारत के सबसे अमीर व्यक्ति का खिताब बरकरार रखा है। दूसरे नंबर पर अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी है। वे भारत के सबसे बड़े वेल्थ गेनर है। उनकी नेटवर्थ में 13 प्रतिशत (1 लाख करोड़) की बढ़ोतरी हुई है।

एचसीएल की रोशनी नाडार तीसरे नंबर पर है। वह भारत के टॉप 10 सबसे अमीर व्यक्तियों में इकलौती महिला हैं। हाल ही में एचसीएल के फाउंडर शिव नाडार ने बेटी रोशनी को कंपनी की 47 प्रतिशत हिस्सेदारी ट्रांसफर की थी। इस कारण पहली बार वह अमीरों की टॉप टेन लिस्ट में शामिल हुई हैं।

इलॉन मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति

टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कंपनियों के मालिक इलॉन मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के दोबारा अमेरिकी राष्ट्रपति चुने जाने के बाद मस्क की नेटवर्थ में 82 प्रतिशत (189 बिलियन डॉलर) की बढ़ोतरी हुई है। अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस दूसरे नंबर पर है।

1999 में ब्रिटिश अकाउंटेंट ने हुरुन लिस्ट की शुरुआत की थी

हुरुन एक रिसर्च ऑर्गनाइजेशन है जो दुनियाभर में वेल्थ, आंत्रप्रेन्योरशिप और इकोनॉमिक ट्रेंड्स पर केंद्रित है। ऑफिशियली इसे हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में जाना जाता है। इसकी स्थापना 1999 में ब्रिटिश अकाउंटेंट और शोधकर्ता रूपर्ट हूगेवेरफ ने की थी।

हुगेवेरफ, जिन्हें उनके चीनी नाम (हू रुन) से भी जाना जाता है। इन्होंने देश के सबसे धनी व्यक्तियों की पहचान करने और उन्हें रैंक करने के लिए चीन में हुरुन की स्थापना की थी। पिछले कुछ वर्षों में, यह एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त संस्था के रूप में विकसित हुई है।

आरबीआई ने एचडीएफसी और पंजाब एण्ड सिंध बैंक पर जुर्माना लगाया

रेगुलेटरी नियमों के उल्लंघन के लिए एचडीएफसी पर 75 लाख पीसीबी पर 68 लाख फाइन

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक एचडीएफसी और पंजाब एंड सिंध बैंक पर फाइन लगाया है। रेगुलेटरी नियमों के उल्लंघन करने के चलते ये फाइन लगा है।

एचडीएफसी बैंक पर केवाईसी के नियमों का पालन नहीं करने के लिए 75 लाख रुपए का जुर्माना लगा। वहीं पंजाब एंड सिंध बैंक पर लार्ज एक्सपोजर और फाइनेंशियल इन्क्लूजन गाइडलाइन की रिपोर्टिंग में चूक के लिए 68 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

इसके अलावा, रिजर्व बैंक ने डिविडेंड के घोषणा से संबंधित नियमों के उल्लंघन के लिए केएलएम एक्सिवा फिनवेस्ट पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

गुरुवार (27 मार्च) को एचडीएफसी बैंक का शेयर 1 प्रतिशत ऊपर 1825 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बैंक का शेयर एक महीने में 7.38 प्रतिशत, 6 महीने में 4.20 प्रतिशत और एक साल में 27 प्रतिशत चढ़ा है। इसका मार्केट कैप 13.97 लाख करोड़ रुपए है।

पंजाब एंड सिंध बैंक के शेयर में आज मामूली गिरावट है, यह 44 रुपए पर कारोबार कर रहा है। बीते एक महीने में बैंक का शेयर 5.80 प्रतिशत चढ़ा है, जबकि बीते 6 महीने और एक साल में 20.45 प्रतिशत और 21 प्रतिशत गिरा है। पीएसबी का मार्केट कैप 30 हजार करोड़ रुपए है।

ट्रम्प के फैसले से टाटा मोटर्स का शेयर 6 प्रतिशत गिरा राष्ट्रपति ने विदेशी कारों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया

इससे जगुआर लैंड रोवर को नुकसान

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को विदेशों से आयात होने वाली कारों पर 25 टैरिफ लगाने की घोषणा की। ट्रम्प के इस फैसले से भारतीय कंपनी टाटा मोटर्स के शेयरों में लगभग 6 प्रतिशत तक की गिरावट आई है।

इसके अलावा अमेरिकी ऑटोमोबाइल कंपनी जनरल मोटर्स के शेयर में बुधवार को 3 प्रतिशत की गिरावट हुई। वहीं जीप और क्रिसलर की मालिक कंपनी स्टेलांटिस के शेयर भी लगभग 3.6 प्रतिशत गिर गए।

टाटा मोटर्स के मालिकाना हक वाली जगुआर लैंड रोवर पर ट्रम्प के 25 प्रतिशत टैरिफ का सीधा असर होगा। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024 में दुनियाभर में 4 लाख कारें बेची थीं। इनमें से 22 प्रतिशत यानी लगभग 88 हजार अमेरिका में बेचीं। कंपनी अपनी कारों की मैन्युफैक्चरिंग मुख्य तौर पर ब्रिटेन में करती है।कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ट्रम्प के टैरिफ लगाने के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह हम पर एक सीधा हमला है, हम अपने वर्कर्स और कंपनियों की रक्षा करेंगे।ट्रम्प का तर्क है कि इस फैसले से अमेरिका में नए कारखाने खुलेंगे। कनाडा और मेक्सिको में बनने वाले अलग-अलग ऑटो पार्ट्स और तैयार वाहन, अब अमेरिका में ही बन पाएंगे। ट्रम्प ने कहा है कि उनका ये फैसला स्थायी है।

ट्रम्प का दावा है कि इससे अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा। व्हाइट हाउस को उम्मीद है कि इससे राजस्व में सालाना 100 अरब डॉलर की बढ़ोतरी होगी। इसे 1 अप्रैल से लागू किया जाएगा।

ई-कॉमर्स की मदद से सशक्त हो रहे छोटे कारोबारी रोजगार के साथ आर्थिक विकास को भी मिल रहा बढ़ावा

नई दिल्ली। टेक्नोलॉजी आज केवल प्रोग्रामिंग और कंप्यूटिंग भाषाओं तक ही सीमित नहीं है। इससे परे टेक्नोलॉजी लोगों की समस्याओं को हल करने और जीवन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण ई-कॉमर्स इंडस्ट्री है, जिसका प्रभाव न केवल व्यवसायों पर बल्कि भारत के लाखों लोगों के जीवन पर भी देखा जा सकता है।

टेक्नोलॉजी, छोटे व्यापारियों की कैसे मदद कर रही है, आइए इसे लखनऊ की यास्मीन अदिल की प्रेरणादायक कहानी से समझते हैं। अदिल फिल्पकार्ट समर्थ की एक सफल विक्रेता हैं। आपको बता दें कि फिल्पकार्ट समर्थ अब एक राष्ट्रीय पहल है जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, कारीगरों, बुनकरों और वंचित समुदायों को ई-कॉमर्स के माध्यम से नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। यह एक समावेशी डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो उन्हें अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने और बेहतर जीवन यापन के काबिल बनाता है।

परिवार से दूर होने के कारण, यास्मीन अपना खुद का कुछ करना चाह रही थीं। पहले यह सिर्फ एक रचनात्मक शुरुआत थी, लेकिन जब उनके पति को एक जानलेवा बीमारी हो गई और वे दुबई से भारत लौट आए तो यास्मीन का व्यवसाय हीं उनके परिवार की आय का एकमात्र स्रोत बन गया। यास्मीन उन हजारों उद्यमियों और किसानों में से एक हैं जिन्हें भारत के घरेलू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने अपने डिजिटल मार्केटप्लेस के माध्यम से वैश्विक बाजार से जुड़ने में मदद की है।

यास्मीन थोक विक्रेताओं से कपड़ा खरीदती हैं और इसे उन महिलाओं को देती हैं जो घर पर ही कढ़ाई का काम करती हैं। फिल्पकार्ट के सहयोग और समर्थ कार्यक्रम के लाभों के कारण उन्हें सही सहायता, प्रशिक्षण और बाजार संबंधी जानकारी मिली, जिससे उन्होंने अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

यास्मीन कहती हैं, यह सिर्फ बिक्री का मामला नहीं है, बल्कि यह सीखने का अवसर है कि एक व्यवसाय को लंबे समय तक कैसे बढ़ाया और बनाए रखा जाए।

फिल्पकार्ट द्वारा पेश की गई सुविधाएं जैसे कैश ऑन डिलीवरी, नो-कॉस्ट ईएमआई, आसान रिटर्न और यूपीआई भुगतान जैसी सेवाओं ने छोटे विक्रेताओं को एक बड़ी ग्राहक पहुंच दिलाई है। आपको बता दें कि आज फ्लिपकार्ट के प्लेटफॉर्म पर 14 लाख से अधिक विक्रेता हैं और यह 50 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करता है, जो इसके ग्राहक-केंद्रित इनोवेशन का परिणाम है।

....

राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला

नए वाहनों से कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मिलेगी और मजबूती - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

» मुख्यमंत्री 150 नए पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के तहत जवाहर सर्किल पर आयोजित कार्यक्रम 'सुरक्षा एवं सुगमता का संकल्प समारोह' से 150 नए पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

राज्य सरकार प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। इसके लिए पुलिस बल को तमाम आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस बल मे शामिल हुए इन नए वाहनों से राज्य में आमजन के लिए सुरक्षा तंत्र को मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, महानिदेशक साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी, महानिदेशक इन्टेलिजेंस संजय अग्रवाल, महानिदेशक टी.एन.टी. अनिल पालीवाल सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं पुलिस कार्मिक मौजूद रहे।

» मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पुलिस जवानों से आत्मीयता से वार्ता करते हुए।

बीजेपी कार्यालय में नहीं होगी जनसुनवाई!: प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंत्रियों को आवास पर जनसुनवाई के लिए पाबंध किया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। वसुंधरा राजे सरकार के समय बीजेपी कार्यालय में शुरू हुई जनसुनवाई फिलहाल शुरू नहीं होगी। उस समय सरकार के मंत्री और पार्टी पदाधिकारी प्रतिदिन प्रदेश कार्यालय में जनसुनवाई करते थे। भजनलाल सरकार में करीब 9 माह पहले जनसुनवाई कार्यक्रम शुरू किया गया था। लेकिन इसमें मंत्री शामिल नहीं हुए थे। तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने इसे शुरू करवाया था। लेकिन सरकार की ओर से सहयोग नहीं मिलने के चलते यह जनसुनवाई कार्यक्रम बंद हो गया। अब इसके फिर से शुरू होने की संभावनाएं बहुत कम है।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का कहना है कि हमने पहले भी दो से तीन बार जनसुनवाई शुरू करने का प्रयास किया था। कार्यालय में कार्यकर्ता की जगह जनता अधिक संख्या में आ जाती है। ऐसे में अत्यधिक लोड बढ़ जाता है। मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश कार्यालय में किस तरह से जनसुनवाई हो, इसे लेकर क्या तरीका अपनाया जाए। इस पर हम विचार कर रहे हैं। हमने सभी मंत्रियों को पाबंध किया है कि वह अभी अपने आवास पर जनसुनवाई करें। इसके लिए सभी मंत्रियों को निर्देशित किया गया है कि वे जनसुनवाई के लिए दिन व समय तय करें। इससे लोगों को राहत प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी जनसुनवाई करते हैं। वे जनता के बीच जाते है, उनकी समस्याएं सुनते हैं और उनका समाधान करने के लिए अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं। इसी तरह से अब मंत्रियों को भी अपने यहां जनसुनवाई के लिए पाबंध किया गया है।

प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनने के बाद 13 जून 2024 को प्रदेश कार्यालय में जनसुनवाई शुरू हुई थी। लेकिन यह केवल 4 दिन ही चली। इसमें दावा किया गया था कि सरकार के मंत्री भी इसमें शामिल होंगे। एक दिन भी कोई मंत्री जनसुनवाई के लिए नहीं पहुंचा था। केवल पार्टी पदाधिकारियों ने ही जनसुनवाई की। वो भी चार दिन चलने के बाद बंद कर दी गई। करीब 9 माह से जनसुनवाई कार्यक्रम बंद है। जिसके फिलहाल शुरू होने के कोई आसार दिखाई नहीं दे रहे है।

कांग्रेस के शासनकाल में लगता था जनता दरबार

सबसे पहले प्रदेश कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम की शुरुआत वसुंधरा राजे ने की थी। उसके बाद अशोक गहलोत सरकार के तीसरे कार्यालय में इसे कांग्रेस ने भी फॉलो किया। पीसीसी में जनता दरबार के नाम से जनसुनवाई कार्यक्रम चलता था। इसमें सरकार के मंत्री और पीसीसी पदाधिकारी जनता की समस्याएं सुनकर मौके से ही अधिकारियों को समस्या हल करने के निर्देश देते थे।

डिप्टी-सीएम को धमकी देने वालों को जयपुर जेल से पकड़ाः लोकेशन ट्रेस कर बदमाशों तक पहुंची पुलिस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा को जान से मारने की धमकी देने वाले 3 बदमाशों को पुलिस ने जयपुर सेंट्रल जेल से पकड़ा है। धमकी के बाद लालकोठी थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। फोन की लोकेशन ट्रेस की तो सेंट्रल जेल की मिली। इस पर पुलिस टीम को जेल भेजा गया।

पुलिस टीम ने बुधवार देर रात तक जेल की तलाशी ली। गुरुवार सुबह एक बार फिर तलाशी अभियान शुरू हुआ। इस दौरान पुलिस ने 3 बदमाशों को हिरासत में लिया और उनके पास से मोबाइल बरामद किया। इसी मोबाइल से पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर डिप्टी सीएम को मारने की धमकी दी गई थी।

पुलिस टीम को जेल भेजा

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया- बुधवार शाम करीब 4.30 बजे पुलिस कंट्रोल रूम में एक कॉल आई थी। फोन करने वाले ने डिप्टी सीएम को जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद फोन की लोकेशन निकाली गई तो जयपुर सेंट्रल जेल की आई। इस पर पुलिस टीम को जेल भेजा गया। आज तीन युवकों को डिटेन किया।

जेल के अंदर लोगों की मिलीभगत से मोबाइल जा रहे

डीजीपी यूआर साहू ने कहा- जेल के अंदर मोबाइल जाना और मिलना एक सतत प्रक्रिया का हिस्सा है। जेल के अंदर मोबाइल जाते हैं। हम उनकी तलाश करते हैं। कई बार केस दर्ज होते हैं, अपराधी पकड़े जाते हैं। जेल में मोबाइल मिलने के पीछे मुख्य कारण जेल के अंदर के लोगों की मिलीभगत है। इसीलिए जेल के अंदर मोबाइल जा रहे हैं।

फरवरी में सीएम भजनलाल शर्मा को भी मिली थी धमकी

इससे पहले, 21 फरवरी की रात को सीएम भजनलाल शर्मा को दौसा जेल से जान से मारने की धमकी मिली थी। पॉक्सो के मामले में जेल में बंद आरोपी ने 12 बजकर 45 मिनट से लेकर 12 बजकर 55 मिनट के बीच 10 मिनट में दो कॉल किए थे। आरोपी ने श्यालवास स्थित सेंट्रल जेल से जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल किया था।

श्यालावास जेल से 27 जुलाई 2024 को भी जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल कर मुख्यमंत्री भजनलाल को जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसके बाद जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने जेल में सर्च अभियान चलाकर मोबाइल जब्त किए थे। वहीं मुख्यमंत्री को धमकी देने वाले कैदी के खिलाफ पापड़दा थाने में मामला दर्ज किया था। जेल में सिम पहुंचने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित गिव अप अभियान की अवधि बढ़ी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरन्तर वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाए ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। गोदारा ने कहा कि विभाग द्वारा गत वर्ष गिव अप अभियान शुरू करने का उदेश्य राजस्थान के वंचित वर्गों को उनका हक दिलाना है। अभियान के माध्यम से खाद्य सुरक्षा प्राप्त सक्षम/अपात्र लोगों को खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम हटाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

अब 30 अप्रैल तक चलेगा गिव अप अभियान

गोदारा ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत खाद्य सुरक्षा सूची में आने वाले सक्षम/अपात्र लाभार्थियों से स्वेच्छा से अपना नाम हटाने हेतु दिनांक 31 मार्च, 2025 तक गिव अप अभियान चलाया जा रहा था। अभियान को मिल रही व्यापक सफलता एवं जनसहभागिता को देखते हुए एवं सभी वंचित पात्र लोगों को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु इसकी अवधि दिनांक 30 अप्रैल, 2025 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि जो अपात्र/सक्षम लोग एनएफएसए से किसी कारणवश अब तक अपना नाम हटवा नहीं पाए हैं, वे इस निर्णय का लाभ लेते हुए खाद्य सुरक्षा छोड़ें ताकि उनके स्थान पर पात्र व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा दी जा सके।

15 लाख से अधिक सक्षम/अपात्र लोगों ने छोड़ी खाद्य सुरक्षा

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा कि गत वर्ष 1 नवंबर को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा गिव अप अभियान प्रारंभ किया गया था। तब से आज दिनांक तक 15 लाख से अधिक व्यक्तियों द्वारा स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाया गया है।

गोदारा ने कहा कि गिव अप अभियान को जनता का अपार सहयोग प्राप्त हो रहा है। लोग इस अभियान को वंचितों को उनका हक दिलाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देख रहे है। इस अभियान के तहत सक्षम/अपात्र लोग अपने नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटाने के लिए स्वतः आगे आ रहे है। जो सक्षम लोग खाद्य सुरक्षा सूची से स्वतः अपना नाम नहीं हटवा रहे हैं उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि 26 जनवरी, 2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी के कर कमलों से खाद्य सुरक्षा पोर्टल को पुनः प्रारंभ किया गया था। तब से अब तक 15 लाख से अधिक लोगों के नाम पोर्टल पर जोड़े जा चुके है। उन्होंने कहा कि पोर्टल के पुनः प्रारंभ होने से लाखों वंचित लोगों को खाद्य सुरक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

प्रकृति से विशेष प्रतिभा और ऊर्जा प्राप्त हैं विशेष योग्यजन बच्चे- उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

विशेष योग्यजन बच्चों ने पुष्प देकर किया स्वागत, उपमुख्यमंत्री ने दिए उन्हें उपहार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित हो रहें सप्ताहभर के कार्यक्रमों की श्रृंखला में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की उपस्थिति में जंतर मंतर पर प्रातः 9.15 बजे से विशेषयोग्य जन बच्चों के लिए गुरुवार को देखो अपना शहर जागरूकता यात्रा का आयोजन किया गया। उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विशेष योग्यजन बच्चों से स्नेहपूर्वक बातचीत भी की। उनके इस आत्मीय संवाद से विशेषयोग्य जन बच्चे उत्साहित और प्रसन्न नजर आये।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस अवसर पर कहा कि विशेष योग्यजन बच्चों को प्रकृति की ओर से विशेष प्रतिभा और ऊर्जा प्राप्त है। उन्होंने कहा कि यह बच्चे कई मायनो में सामान्य बच्चों से भी अधिक योग्य हैं। इनकी योग्यता, प्रतिभा और ऊर्जा का सदुपयोग राष्ट्र और प्रदेश के विकास के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने में राज्य सरकार ऐसे विशेष योग्यजन बच्चों की प्रतिभा का सदुपयोग करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सरकार उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए संकल्पित है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विशेषयोग्य जन बच्चों को उपहार दिए जबकि बच्चों ने पुष्प देकर उनका स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री ने विशेष योग्यजन बच्चों को सिटी पैलेस और अल्बर्ट हॉल सहित आमेर भ्रमण करवाने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए।

राजस्थान विधानसभा में युवा संसद, कानोड़िया कॉलेज की हर्षिता शर्मा ने जीता प्रथम स्थान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में बुधवार 26 मार्च 2025 को केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा द्वारा राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्यभर से 18 से 25 वर्ष की आयु के 140 युवाओं ने भाग लिया। कनोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय जयपुर की बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा और राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका हर्षिता शर्मा ने इस युवा संसद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने हर्षिता को इस उपलब्धि पर बधाई दी। हर्षिता अब नई दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय युवा संसद में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगी।

राजस्थान के सभी जिलों से चयनित 140 युवाओं ने विधानसभा सदन में संविधान के 75 वर्ष विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रत्येक प्रतिभागी को अपने विचार रखने के लिए तीन मिनट का समय दिया गया था। विधायक डॉ. कैलाश, डॉ. शिखा बराला और मनीष यादव के एक पैनल ने 140 युवाओं में से तीन सर्वश्रेष्ठ वक्ताओं का चयन किया। विधानसभा अध्यक्ष ने हर्षिता शर्मा और अन्य चयनित युवाओं को सम्मानित किया।

उड़ान योजना बंद करके भाजपा सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य पर किया निर्मम प्रहार- अशोक गहलोत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर महिलाओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई उड़ान योजना, जो महिलाओं के मासिक धर्म स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण थी, को वर्तमान भाजपा सरकार ने बंद कर दिया है।

गहलोत ने कहा कि क्या यही है भाजपा का महिला सशक्तिकरण? क्या महिलाओं के स्वास्थ्य की कोई कीमत नहीं? लाखों महिलाओं को लाभ पहुंचाने वाली योजना को बंद करके, भाजपा ने अपनी महिला विरोधी मानसिकता का परिचय दिया है। क्या योजनाएं बंद करना ही इस सरकार का एकमात्र काम रह गया है?

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, राजस्थान में अभी भी कई महिलाएं मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूक नहीं हैं, और इस योजना ने इस जागरूकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। योजना के अंतर्गत, राज्य भर में लाखों महिलाओं और किशोरियों को मुफ्त सेनेटरी नैपकिन वितरित किए गए थे, जिससे उनके स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार देखा गया था। इस योजना के पहले चरण के लिए राज्य सरकार ने

200 करोड रूपए का प्रावधान किया था।

गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति असंवेदनशील है, बल्कि उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में भी विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई है, और सरकार इस पर अंकुश लगाने में नाकाम रही है। उन्होंने सरकार से तुरंत उड़ान योजना को बहाल करने और महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

कोर्ट आदेश के बाद भी भुगतान रोका, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव से मांगा स्पष्टीकरण

जयपुर। जयपुर महानगर की वाणिज्यिक कोर्ट नंबर एक ने वित्त विभाग के प्रमुख सचिव को नोटिस जारी कर एक मामले में स्पष्टीकरण मांगा है कि कोर्ट आदेश के बावजूद डिक्रीदार के भुगतान पर किस कारण से रोक लगाई गई है। इस मामले की अगली सुनवाई 28 मार्च 2025 नियत की गई है।

प्रकरण के मुताबिक मैसर्स मंडा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड बनाम राजस्थान अरबन इन्फ्रास्ट्रक्चर में डिक्रीदार मदयून की ओर से 24 मार्च, 2025 को एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करके कोर्ट को बताया गया कि वित्त विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में डिक्रीटल राशि के भुगतान पर रोक लगाई हुई है। इसलिए इस रोक को हटवाकर उसे वांछित राशि का भुगतान कराया जाए। इस प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने वित्त विभाग की इस रोक को जानबूझकर न्यायालय के आदेशों की अवहलेना और कोर्ट के आदेशों को कमतर आंकने की श्रेणी में माना है।

महारानी महाविद्यालय में आयोजित हुआ अहिल्या बाई होल्कर त्रिशताब्दी वर्ष कार्यकम

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को महारानी कॉलेज में मरूधर नारी सशक्तिकरण संगठन, और भारतीय शिक्षण मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह' में शिरकत की। दिया कुमारी ने लोक माता अहिल्या बाई होलकर को नमन करते हुए कहा कि इतिहास के पन्नों पर अहिल्याबाई होलकर जी का नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज है क्योंकि उन्होंने लोकहित, राष्ट्रहित व समाज हित के लिए अपना जीवन समर्पित किया। विद्वान, साहसी और प्रशासनिक कौशल की पहचान रानी अहिल्या बाई होलकर जी द्वारा नारी शक्ति, सशक्तिकरण व प्रशासनिक क्षेत्र में किये गये कार्य हमेशा प्रेरणादायी रहेंगे। इतिहास के पन्नों पर रानी अहिल्याबाई का नाम हमेशा सम्मान से लिया जाता रहेगा। अपने शासन काल में उन्होनें राज्य हित, जनहित को सर्वोपरि माना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया, उन्हें आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिलवाया, उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया, समाज में फैली कुरूतियों को समाप्त किया। धर्म के प्रति जागरूकता लाते हुए धार्मिक व तीर्थ स्थलों को विकसित करवाया, उनके द्वारा किये गये सार्वजनिक हित के कार्य हमेशा समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय स्त्री शक्ति की शाखा मरूधर नारी सशक्तिकरण संगठन जो कि सनातन संस्कृति, राष्ट्रहित में महिलाओं के उत्थान हेतु सक्रिय है और आपके द्वारा कच्ची बस्तियों के बच्चों के लिए शिक्षा एवं संस्कार केन्द्र, महिला सिलाई केन्द्र, बालिकाओं की आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर, महिलाओं के लिए चिकित्सा शिविर जैसे सेवा कार्य किये जा रहे हैं, उनका यह प्रयास सराहनीय हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पास ऐसी कई सफलता की कहानियां है जो यह साबित करती है दया, त्याग, क्षमा, बलिदान, की परिचायक बालिकाओं और महिलाओं ने जब-जब भी किसी कार्य को दृढ इच्छाशक्ति से किया उस क्षेत्र में समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया है। फिर चाहे वह कला, संस्कृति, खेल, उद्योग, कृषि, सुरक्षा, विज्ञान राजनीति ही क्यों न हों। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में महिलाएं सम्मानीय रही है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने महिलाओं के चहुमूंखी विकास पर बल देते हुए हर योजना, अभियान को महिलाओं के विकास से जोड़ा। वहीं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी के नेतृत्व में महिला हित का ध्यान रखा जा रहा है।

मुचुकुंड में हुआ था पांच दिवसीय यज्ञ

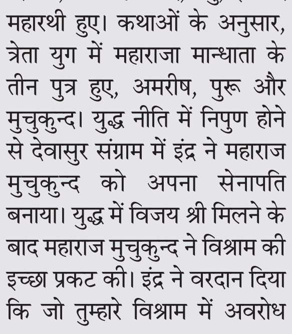

एसके मंगल

महाराज मुचुकुन्द त्रेता युग के इक्ष्वाकु (सूर्यवंश) कुल के राजा थे, जिस कुल में श्री राम, राजा दिलीप, राजा हरिश्चन्द्र, रघु, इत्यादि महारथी हुए। कथाओं के अनुसार, त्रेता युग में महाराजा मान्धाता के तीन पुत्र हुए, अमरीष, पुरू और मुचुकुन्द। युद्ध नीति में निपुण होने से देवासुर संग्राम में इंद्र ने महाराज मुचुकुन्द को अपना सेनापति बनाया। युद्ध में विजय श्री मिलने के बाद महाराज मुचुकुन्द ने विश्राम की इच्छा प्रकट की। इंद्र ने वरदान दिया कि जो तुम्हारे विश्राम में अवरोध डालेगा, वह तुम्हारी नेत्र ज्योति से वहीं भस्म हो जायेगा। इंद्र से वरदान लेकर महाराज मुचुकुन्द श्यामाष्चल पर्वत की गुफा में आकर सो गये। जब जरासंध ने कृष्ण से बदला लेने के लिए मथुरा पर 18वीं बार चढ़ाई की तो कालयवन भी युद्ध में जरासंध का सहयोगी बनकर आया। कालयवन महर्षि गार्ग्य का पुत्र व म्लेक्ष्छ देश का राजा था। वह कंस का परम मित्र था। भगवान शंकर से उसे युद्ध में अजय का वरदान भी मिला था। भगवान शंकर के वरदान को पूरा करने के लिए भगवान कृष्ण रण क्षेत्र छोड़कर भागे। तभी कृष्ण को रणछोड़ कहा जाता है। कृष्ण को भागता देख कालयवन ने उनका पीछा किया। मथुरा से करीब सवासौ किमी दूर तक आकर धौलपुर में श्यामा चल पर्वत की गुफा में आ गये जहां मुचुकुन्द महाराज जी सो रहे थे। कृष्ण ने अपनी पीताम्बरी मुचुकुन्द जी के ऊपर डाल दी और खुद एक चट्टान के पीछे छिप गये। कालयवन भी पीछा करते करते उसी गुफा मे आ गया। दंभ मे भरे कालयवन ने सो रहे मुचुकुन्द जी को कृष्ण समझकर ललकारा। मुचुकुन्द जी जागे और उनकी नेत्र की ज्वाला से कालयवन वहीं भस्म हो गया। भगवान कृष्ण ने मुचुकुन्द जी को विष्णुरूप के दर्शन दिये। मुचुकुन्द जी दर्शनों से अभिभूत होकर बोले - हे भगवान! तापत्रय से अभिभूत होकर सर्वदा इस संसार चक्र में भ्रमण करते हुए मुझे कभी शांति नहीं मिली। देवलोक का बुलावा आया तो वहाँ भी देवताओं को मेरी सहायता की आवश्कता हुई। स्वर्ग लोक में भी शांति प्राप्त नही हुई। अब मैं आपका ही अभिलाषी हूं। श्री कृष्ण के आदेश से महाराज मुचुकुन्द जी ने पांच कुण्डीय यज्ञ किया। यज्ञ की पूर्णाहुति ऋषि पंचमी के दिन हुई। यज्ञ में सभी देवी-देवताओं व तीर्थों को बुलाया गया। इसी दिन भगवान कृष्ण से आज्ञा लेकर महाराज मुचुकुन्द गंध मादन पर्वत पर तपस्या के लिए प्रस्थान कर गये।

शहर में लोकतंत्र प्रहरी संगठन का हुआ गठन, भविष्य में लोकतंत्र की रक्षा के लिए किया जाएगा कार्य

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बरां। शहर में आपातकाल के दौरान लोकतंत्र को बचाने के लिए कई लोग जेल गए थे और तात्कालीन सरकार द्वारा प्रताड़ित किए गए थे। उस समय के दमनतंत्र ने लोगों को अत्यधिक कष्ट पहुंचाया, लेकिन इसके बावजूद लोकतंत्र के लिए संघर्ष करने वालों ने अपना धैर्य और साहस नहीं खोया। ऐसे में अब भविष्य को ध्यान में रखते हुए शहर में एक नए संगठन का गठन किया है। जिसका नाम लोकतंत्र प्रहरी रखा गया है। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य लोकतंत्र की रक्षा करना और आने वाली पीढ़ी को इसके महत्व से अवगत कराना है। लोकतंत्र प्रहरी संगठन का गठन एक बैठक में हुआ। जिसमें सर्व सहमति से जयेश गालव को संयोजक, सत्यनारायण नागर और सूर्यकांत शुक्ला को सह-संयोजक बनाया गया। इसके अलावा राकेश मित्तल को कोषाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया। संगठन की समन्वय समिति में प्रदीप शर्मा और निशांत शर्मा को सदस्य के रूप में शामिल किया। संगठन के संरक्षक मंडल में काठियाबाबा आश्रम के आचार्य परमानंद, प्रमोद शर्मा, सुरेश शर्मा, गिर्राज बामला और रामकल्याण मीणा को शामिल किया।

संयोजक जयेश गालव ने संगठन के उद्देश्यों को साझा करते हुए बताया कि लोकतंत्र प्रहरी का कार्य लोकतंत्र की रक्षा करना और इसके महत्व को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना है। इस संगठन का पहला कदम होगा लोकतंत्र सेनानियों के परिवारों को जोड़ना और उन्हें सम्मान देना। साथ ही, जो लोग इस विचारधारा का समर्थन करेंगे, उन्हें भी इस संगठन से जोड़ा जाएगा। संगठन का मुख्य उद्देश्य इमरजेंसी के दौरान किए गए अत्याचारों को आगामी पीढ़ी तक पहुंचाना है ताकि आने वाली पीढ़ियों को लोकतंत्र की रक्षा के महत्व का अहसास हो सके। बैठक में संगठन कार्य का शुभारंभ भी किया गया। जिसमें आगामी 30 मार्च को शहर में चौत्र शुक्ल प्रतिपदा को निकलने वाली शोभायात्रा का पुष्पवर्षा के साथ स्वागत करने का निर्णय लिया। जिससे लोकतंत्र की रक्षा के प्रति शहरवासियों को जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

सेवा के नवीन आयामों का सृजन करेंगा हिन्दुस्तान स्काउट गाइड- डॉ महावीर शर्मा

चीफ कमिश्नर की अध्यक्षता में हिंदुस्तान स्काउट गाइड की जिला कार्यकारिणी का हुआ गठन

बूंदी। हिन्दुस्तान स्काउट गाइड संगठन बूंदी जिले में सेवा के नवीन आयामों का सृजन करेगा। ऐसा कहना है मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन मुख्य जिला आयुक्त डॉ. महावीर शर्मा का। हिंदुस्तान स्काउट गाइड की जिला कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए इन्होंने कहा कि स्काउट गाइडस समाज के पथ प्रदर्शक के रूप में अग्र पंक्ति में खड़े होने वाले आदर्श होते हैं, जो रोल मॉडल की भूमिका निभाते हैं। इन्होंने कहा कि नैतिकता, योग्यता का विकास करने के उद्देश्य से एक बेहतर भविष्य का निर्माण हेतु छात्र छात्राओं को स्काउटिंग के माध्यम से नवीन प्रयोगों के जरिए अनुशासन का पाठ सिखाया जा रहा है। गुरुवार को हिंदुस्तान स्काउट गाइड बूंदी कर जिला कार्यकारिणी की बैठक मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन मुख्य जिला आयुक्त डॉ. महावीर कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सीडीईओ डॉ. शर्मा ने बैठक में मौजूद सभी पदाधिकारियों को संख्यात्मक व गुणात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करते हेतु निर्देश प्रदान किए और अधिक से अधिक ग्रुप पंजीकरण पर जोर दिया। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक ओम गोस्वामी ने कहा कि स्काउटिंग सेवा भाव जागृत करता है, यह समाज में एक बेहतर वातावरण तैयार करने हेतु आवश्यक है। इन्होंने संगठन के विस्तार हेतु धरातल पर कार्य करने की आवश्यकता जताई।

कार्यकारिणी की बैठक में प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए जिला ऑर्गेनाइजर गिरधारी लाल शर्मा ने कहा कि हिंदुस्तान स्काउट गाइड नैतिक मूल्यों की वृद्धि के साथ जीवन में ज्ञान और अनुशासन का सृजन कर रहा हैं। इस दौरान सभी पदाधिकारियों ने स्काउट गाइड प्रतिज्ञा का दौहरान भी किया।

लोकेश जैन जिला सचिव और कृष्ण कांत राठौर होंगे जिला मुख्यालय आयुक्त

बैठक से पूर्व मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन मुख्य जिला आयुक्त डॉ. महावीर शर्मा ने नवगठित जिला कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए नई टीम को नए आयाम गढ़ने हेतु संकल्पबद्ध होकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया। इन्होंने बताया कि नवगठित कार्यकारिणी में जिला मुख्यालय आयुक्त राष्ट्रपति रोवर और रोवर लीडर कृष्ण कान्त राठौर, जिला सचिव लोकेश कुमार जैन तथा जिला कोषाध्यक्ष निधि गंगवाल होंगे। नवगठित जिला कार्यकारिणी में जिला आयुक्त ओम प्रकाश गोस्वामी, जिला संयुक्त सचिव जय प्रकाश त्रिपाठी, जिला सह सचिव पुरुषोत्तम दाधीच, जिला प्रशिक्षण आयुक्त शरापत अली, क्वार्टर मास्टर मदन मोहन साहू, संस्थाप्रधान प्रतिनिधि नवनीत जैन, इन्द्र नारायण शर्मा, अंजना गर्ग, सत्यनारायण वर्मा, कुश जिन्दल, राकेश माहेश्वरी, ट्रेनिंग काउंसलर परमेश्वर गुर्जर, आतिश वर्मा, नरेश गुर्जर, चन्द्र प्रकाश नागर, ज्योत्सना कुमावत, महावीर सोनी, सोहन लाल मीणा, जीतू मीणा, आजीवन सदस्य प्रतिनिधि प्रदीप गल्लानी, जुगल किशोर, विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में समसा के सहा.निदेशक धनराज मीणा, अति. जिला शिक्षा अधिकारी चंद्रप्रकाश राठौर, डाइट के प्राचार्य राजेन्द्र कुमार शर्मा, समसा के एडीपीसी दलीप सिंह गुर्जर को नियुक्त किया गया हैं। वहीं जिले के सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों डॉ. युवराज सिंह, अनिता मीणा, ओम प्रकाश बुनकर, संजय मीणा और अर्चना तंवर को पदेन सहायक जिला आयुक्त नियुक्त किया गया हैं।

सरपंच पति एवं ग्राम विकास अधिकारी को 6000 की घूस लेते किया गिरफ्तार

प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभ दिलाने के बदले मांगी थी 6 हजार की रिश्वत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। जिले के रुणीजा पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के नाम पर रिश्वत मांगने वाले सरपंच पति एवं ग्राम विकास अधिकारी को एसीबी की टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया । यह कर्रवाई कोटा रेंज के एसीबी के उपमहानिरीक्षक शिवराज मीणा के सुपरविजन में बूंदी टीम की डॉक्टर प्रेरणा शेखावत की कप्तानी वाली टीम ने बुधवार को की। टीम ने दोनों को 6000 की रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचा है। एसीबी के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश हरडा ने बताया कि बूंदी टीम को शिकायत मिली कि हिंडौली उपखंड क्षेत्र की रुणीजा पंचायत के सरपंच पति मुखराज गुर्जर एवं ग्राम विकास अधिकारी कृष्ण गोपाल गुर्जर परिवादी से प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभदिलाने की एवज में 10 हजार रुपए की रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा है। रिश्वत मांगने की बात का मंगलवार को सत्यापन के दौरान सरपंच पति मुखराज गुर्जर ने 2000 रुपए प्राप्त किए थे। जिस पर एसीबी कोटा रेंज के उप महानिरीक्षक शिवराज मीणा के सुपरविजन में एसीबी बूंदी चौकी की डॉक्टर प्रेरणा शेखावत की टीम ने पुलिस उप अधीक्षक हरीश भारती एवं अन्य ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी सरपंच पति मुखराज गुर्जर एवं ग्राम विकास अधिकारी कृष्ण गोपाल गुर्जर को परिवादी से 6000 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

राजस्थान दिवस पर देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए प्रवेश रहेगा निःशुल्क

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

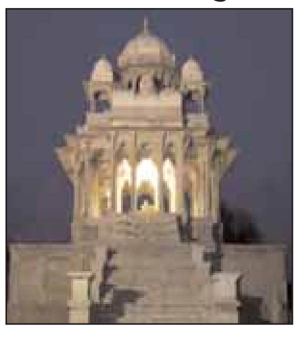

बूंदी। निदेशक, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग राजस्थान जयपुर के आदेशानुसार 30 मार्च 2025 को राजस्थान दिवस के अवसर पर बूंदी के राजकीय संग्रहालयों एवं स्मारकों (रानी जी की बावड़ी, चोरासी खम्बो की छतरी, सुखमहल) में देशी-विदेशी पर्यटकों का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

माहेश्वरी समाज ने मनाया गणगौर का पर्व, निकाली जलेरी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां। माहेश्वरी समाज ने गणगौर का पर्व बड़ी धूमधाम के साथ मनाया। श्रृंगार लता हल्दिया एवं निशा साबू ने बताया कि सभी महिलाएं सजधज कर चतुर्भुज नाथ जी के मंदिर घंटाघर पहुंची वहां से ईशर गणगौर को लेकर सब्जी मंडी स्थित नेहरू पार्क गई वहां से खानागार व जलेरी लेकर नाचते गाते वापस मंदिर आई। गणगौर माता व ईशर गणगौर के जोड़े की पूजा अर्चना की गई। जिला अध्यक्ष रेनू साबू व बृजबाला कासट ने बताया कि रूपल माहेश्वरी व कोमल माहेश्वरी ने ईशर गणगौर बनकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। मीना सोमानी ने ईशर गणगौर का खूबसूरत में जोड़ा सजाया। कार्यक्रम में महिलाओं ने गणगौर के गीत गाए और जमकर नृत्य किया। अंत में सभी को दूध व फलों के प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में समाज की सभी महिलाओं ने बढ़कर चढकर हिस्सा लिया और सभी का भरपूर सहयोग रहा।

बूंदी रोडवेज डिपो से 2 नये रुटो पर एक अप्रैल 2025 से संचालित होगी 2 नई रोडवेज बसें

बूंदी से सवाईमाधोपुर एवं बूंदी से घाड नये रुटो पर संचालित होगी रोडवेज बसे

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। रोडवेज डिपो प्रबंधक घनश्याम गोड के अथक प्रयासों से 2 नये रुटो पर बूंदी से धाड एवं बूंदी से सवाईमाधोपुर रोड पर रोडवेज की बसें एक अप्रैल 2025 से बूंदी से चालू की जा रही है। इसके साथ ही बूंदी से गांवों-कस्बों को जोड़ने के लिए भी प्रथक है बसों की व्यवस्था कर गांवों में रोड वेज बस सचालन को सुलभ बनाये जाने की भी कवायद की जा रही है। इसके परिणाम भी जल्दी ही जनता के सामने होंगे। इसके अलावा लम्बे रुटो पर भी स्लीपर बसे चलाया जाना हमारी प्राथमिकता में शामिल है। जिसमें अहमदाबाद,बडोदा अजमेर चितोड प्रमुख हैं। यह रोड वेज बस बूंदी से दिन के 3 बजे चलकर हिंडोली, नैनवा,घाड, धुआ कला,छान से टोंक होती हुई रात्रि 9.30 पर जयपुर पहुंचेगी। ओर दूसरे दिन यही रोडवेज बस जयपुर से प्रातः7.20 पर चलकर,टोंक,छान,धुआ कला, घाड होती हुई नैनवां , हिंडोली होती हुई दिन के 2 बजे बूंदी पहुंचेगी। दूसरी रोडवेज बस बूंदी से सवाईमाधोपुर बूंदी से प्रातः 7.30 बजे चलकर हिंडोली, नैनवां, उनियारा,अलीगढ़ होती हुई प्रातः 11 बजे सवाईमाधोपुर पहुंचेगी। यही बस वापसी में इसी दिन 3.30 पर सवाईमाधोपुर से चलकर अलीगढ़, उनियारा नैनवां, हिंडोली होती हुई रात्रि 9.30 पर बूंदी पहुंचेगी। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम ने रोडवेज को घाटे से पाटने के लिए अब कम आय वाले परिचालकों से नियमित संवाद करना भी शुरू कर दिया है, ताकि उनसे कम आय के कारणों के बारे में पूछताछ की जा सके और उसको कैसे दूर किया जाए उसके बारे में बताया जा सके। साथ ही परिचालकों को उनके लक्ष्य को पूरा करने के बारे में बताया जा रहा है। इसके लिए बकायदा रजिस्टर संधारण किया जा रहा है। निगम की मंशा है कि रोडवेज को घाटे से उबारा जाए और कम प्रगति वाले परिचालकों से कम आय की समस्या के बारे में जानकारी ले सके। बूंदी रोडवेज बस स्टैंड पर वर्षों से चली आ रही महीला शोचालय की मांग को डिपो मैनेजर घनश्याम गोड ने प्रमुखता से लेते हुए कार्य शुरू करवा दिया है जो कुछ दिनों में पुरा होने की सम्भावना है।

दिगम्बर एवं श्वेताम्बर समाज एकसाथ मनायेगा महावीर जयंति 8 को, बैठक आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। सकल दिगम्बर जैन समाज एवं श्वेताम्बर समाज की महावीर जयंति भव्यता से मनाने के क्रम में दानबाड़ी में दोनो समाज के प्रमुख व्यक्तियों की मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें सब लोगो की सहमति से 3 दिवसीय महावीर जयंति मनाने का निर्णय लिया गया। इसमें दोनो समाजों के मुख्य लोग उपस्थित हुए जिसमें दिगम्बर जैन समाज से प्रकाश बज अध्यक्ष दिगम्बर जैन समाज, विमल जी नांता वाले, जे.के. जैन, पदम बड़ला, अशोक पहाड़िया, सुरेश चांदवाड़, सुरेश हरसोरा, अशोक लुहाड़िया, राजेन्द्र गोधा, मनोज जेसवाल, राकेश पाटोदी, पारस सोगानी, राजेन्द्र बज, निशा जैन वेद राकेश जैन चपलमन, राजेश बन्टी, अंकित जैन तथा श्वेताम्बर समाज से पंकज मेहता, रेखा हिंगड़, लोकेन्द्र डांगी, प्रदीप बरड़िया, नरेन्द्र लोढ़ा, डॉ. सुरेश दासोत, जोली भण्डारी, अंजली जैन, अशोक पोरवाल, धर्म जी जैन, गजराज बोथरा एवं अन्य 50 पदाधिकारी उपस्थित रहे ने जिसमें सर्व सम्मति से 3 दिवसीय महावीर जयंति मनाने का निर्णय लिया गया।

इसमें 8 अप्रेल मंगलवार को घटोत्कच सर्किल से प्रातः 7 बजे शोभायात्रा प्रारम्भ होगी जो मेन रोड़ होते हुए चांदनी हॉस्पिटल, सेंट्रल पब्लिक स्कूल, तलवण्डी सर्किल, जवाहर नगर मेन रोड़ से दानबाड़ी पहुंचेगी। महावीर जयंति के उपलक्ष में 108 गेट बनाये जायेंगे। बेण्ड बाजे, डीजे साथ में होंगे।

9 अप्रेल बुधवार को सभी जैन मंदिरों में प्रातः 8 से 9.30 बजे णमोकार मंत्र का पाठ का उच्चारण करेंगे। यह कार्यक्रम पहली बार दोनो समाजों के द्वारा रखा गया है। 9 अप्रेल को सायं 7.30 बजे दिगम्बर जैन महिला प्रकोष्ठ के द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम दशहरा मेदान में आयोजित होगा जिसमें कोटा की सभी महिला मण्डलों द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी। इसमें समाज के सभी लोग उपस्थित रहेंगे।

10 अप्रेल गुरूवार को दिगम्बर जैन समाज व श्वेताम्बर जैन समाज का महावीर जयंति पर शोभायात्रा निकाली जायेगी। इसमें दोनो श्वेताम्बर व दिगम्बर जैन समाज के कार्यक्रम अलग अलग अपने स्तर पर आयोजित किये जायेंगे। दिगम्बर जैन समाज के द्वारा भव्य शोभायात्रा रामपुरा से चलकर दशहरा मैदान तक निकाली जायेगी जहां शोभायात्रा भव्य सभा में बदल जायेगी जहां पर महावीर जयंति के कई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। महावीर जयंति पर विशेष~ पंकज सेठी ने बताया कि जीटो संस्था के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर णमोकार महामंत्र के वाचन का कार्यक्रम रखा गया है इसमें सभी लोग 9 अप्रेल को प्रातः 8 बजे से 9.30 ऑनलाईन जुड़कर णमोकार मंत्र का पाठ करेंगे। जो पूरे विश्व स्तर पर आयोजित किया जायेगा। जीटो द्वारा 2 स्थानों पर व्यवस्था रखी गई है जिसमें जवाहर नगर में एलन सत्यार्थ भवन पर तथा बूंदी रोड़ पर एक्जोटिका गार्डन पर एलईडी के माध्यम से सभी लोग जुड़ेगे।

सींता में सविंधान-हमारा स्वाभिमान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा । सविंधान के 75 बर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में केन्द्र सरकार ने देश भर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा की ओर से एक अभियान चलाकर गुरूवार को बूदी जिले के तालेड़ा ब्लॉक के सींता गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय में हमारा सविंधान -हमारा स्वाभिमान विषय पर संगोष्ठी,प्रदर्शनी एवं फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

केंद्रीय संचार ब्युरो , क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने कहा की इस कार्यक्रम का उददेश्य सविंधान के प्रति आमजन के साथ युवा पीढ़ी में जागरूकता पैदा करना है। साथ ही नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारो और जिम्मेदारियो का ज्ञान करवाना है।

उन्होने केन्द्र सरकार अनेक जनक्लयाणकारी योजनाओ की जानकारी दी । इस अवसर पर उन्होने बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में बताते हुए कहा की राजस्थान में अभी भी कुछ क्षेत्रों में आखातीज के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह किए जाते है , इस कुप्रथा को रोकने के लिए सरकार अपने स्तर पर तो प्रयास करती है,लेकिन आम नागरिको को भी इसे रोकने में आगे आकर अपनी भागीदारी निभानी होगी। इस अवसर विधालय की प्रिसिपल श्रीमती सुमन सोलंकी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा की सरकार ने बेटियो को सशक्त करने के लिए अनेक योजनाएं चला रखी है जैसे प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना उनके बारे में जानकारी हासिल कर लाभ उठाए।

विधुत विभाग ने नगर परिषद का बिजली कनेक्शन काटा, सभापति को मोबाईल चालू कर करने पड़े हस्ताक्षर

विधुत विभाग के 30 करोड़ रुपए बिजली बिल बकाया, डिस्कॉम ने पूर्व में भी काटा था नगरपरिषद कार्यालय का विधुत कनेक्शन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। नगर परिषद को बार-बार नोटिस देने के बाद भी बिजली के बिल का बकाया भुगतान नहीं किया तो विद्युत विभाग ने आज नगर परिषद का कनेक्शन काट दिया। परिषद की बिजली गुल हुई तो कार्यालय में बैठे अधिकारियों और कर्मचारियों के सभी काम ठप हो गए। कंप्यूटर बंद होने से ऑनलाइन कार्य नही हुए। नगरपरिषद सभापति सरोज अग्रवाल, अधिकारियों ने विद्युत निगम के अधिकारियों से बात कर बकाया बिल जमा करवाने का भरोसा दिलाया। इससे पहले भी बकाया भुगतान जमा नहीं करने के चलते नगरपरिषद का कनेक्शन काटा जा चुका है। उस समय 21 लाख रू. का भुगतान करने के आश्वासन के बाद कनेक्शन जोडा गया था। डिस्कॉम एईएन शशिकांत जांगिड़ ने बताया कि नगरपरिषद पर बिजली बिलों के करीब 30 करोड़ रुपए बकाया हैं। बकाया भुगतान को जमा करने के लिए कई बार नगरपरिषद को नोटिस भी दे चुके हैं। लेकिन, परिषद के अधिकारी ना तो पैसा जमा करते हैं ना ही संतोषप्रद जवाब देते हैं। उच्चाधिकारियों के निर्देश के बाद नगरपरिषद का बिजली कनेक्शन काट दिया गया। जांगिड़ ने बताया कि नगरपरिषद की रोड लाईट के, नगरपरिषद के और पानी सप्लाई के लिए कनेक्शनों के लगभग 30 करोड़ रुपए बकाया चल रहे है।

विधुत विभाग ने बिजली पोल व यूडी टैक्स की राशि नहीं दी- सभापतिः नगरपरिषद की सभापति सरोज अग्रवाल का कहना है कि जहां तक बिजली के बिल की बात है, बिजली विभाग ने जो बिल भेजा है, वह गलत है। सही बिल बनाकर भेजने के लिए दो-तीन बार विभाग को लिख चुके हैं। जैसे ही सही बिल बनकर आएगा, नियमा नुसार बिजली बिलों का भुगतान किया जाएगा। शहर में मुख्य सड़कों, कॉलोनी और गलियों में बिजली विभाग ने ट्रांसफार्मर और पोल रखे हैं। लेकिन, विभाग ने कभी भी नगरपरिषद में राशि जमा नहीं करवाई। जबकि, बिजली विभाग को यूडी टैक्स भी जमा करना चाहिए।

नगरपरिषद के सभी कनेक्शनों की राशि करोड़ों में हो चुकी है। लंबे समय से बकाया भुगतान दिया ही नहीं। हमने नोटिस भी दिए, अधिकारी परिषद में जाकर मिले, लेकिन किसी तरह का रेस्पांस नहीं मिल पाया। ऐसे में मजबूरन कनेक्शन काटना पड़ा।

शशिकांत जांगिड डिस्कॉम
एईएन,वि.वि.नि.ली.बूंद

रेलवे अस्पताल में लगेगी सोनोग्राफी मशीन व ओपन जिम

कोटा। कोटा मण्डल मान्यता के चुनाव मे जीत के बाद वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के साथ पहली हॉस्पिटल विजिटिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। मण्डल सचिव अब्दुल खालिक ने बताया कि वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ की ओर से चेतन शर्मा एवं पी. के. गर्ग ने हॉस्पिटल विजिटिंग कमेटी की बैठक में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुपर्णा सेन रॉय सहित अन्य शाखा अधिकारियो को 23 समस्याओ का ज्ञापन सौंपा। बैठक मे कई मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमे मजदूर संघ की काफी लंबे समय से चल रही मांग के आधार पर मण्डल रेल चिकित्सालय मे सोनोग्राफी मशीन लगाने पर सहमती बनी।, मण्डल रेल चिकित्सालय मे पहले मरीजो एवं कर्मचारियों को सोनोग्राफी करवाने के लिए बाहर जाना पड़ता था, मशीन लगने के बाद कर्मचारियों को काफी राहत मिलेगी। साथ ही मण्डल रेल चिकित्सालय मे प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र के सामने ओपन जिम लगाया जायेगा।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत अंत्योदय कल्याण समारोह हुआ आयोजित

जिला स्तरीय कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को श्रवण यंत्र, ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर एवं स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को किए पट्टे वितरित

बून्दी। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत गुरूवार को भरतपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में अंत्योदय कल्याण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उपस्थित रहे। अंत्योदय कल्याण समारोह का जिला स्तरीय कार्यक्रम बूंदी के नैनवां रोड़ स्थित शगुन होटल में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बूंदी जिले के (पैरा) खेलो इण्डिया में स्वर्ण पदक विजेता सुदर्शन मीणा से संवाद किया। सुदर्शन मीणा ने कहा कि मुझे समाज कल्याण विभाग के माध्यम से स्कूटी प्राप्त हुई है, उन्होंने कहा कि पहले मुझे ग्राउंड तक आने-जाने के लिए किसी का सहारा लेना पड़ता था जिससे मुझे एक घंटा ज्यादा लगता था, अब उन्हें अपने खेल के नियमित अभ्यास के लिए आने-जाने में बेहद सहुलियत प्राप्त हुई है। गत् 22 मार्च को खेलो इण्डिया पैरा गेम्स दिल्ली में आयोजित हुए थे उसमें मेनें राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीता था। उसको मैं पूरे राजस्थान को समर्पित करता हूं और आपको धन्यवाद देता हूं। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बहुत अच्छा सुदर्शन जी अब आप ग्राउंड तक खुद जाते हो किसी पर आश्रित नहीं हो, निश्चित रूप से आपके जीवन में और खुशहाली आए बहुत-बहुत शुभकामनाएं आपको। जिला स्तरीय समारोह में स्वामित्व योजना के तहत 101 लाभार्थियों को पट्टों का वितरण। इसके अतिरिक्त सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को 9 ट्राईसाइकिल, 2 व्हीलचेयर, 4 ध्वनि श्रवण यंत्र सहित अन्य उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला प्रमुख चन्द्रावती कंवर, जिला कलक्टर अक्षय गोदारा, जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद रवि वर्मा, हिण्डोली प्रधान कृष्णा माहेश्वरी, नैनवां प्रधान पदम नागर सहित विभिन्न अधिकारी व जनप्रतिनिधी मौजूद रहे। जिला स्तरीय कार्यक्रम में नैनवां पंचायत समिति के तलवास निवासी हेमराज रैगर को स्वामित्व योजना के तहत पट्टा मिला। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत वितरित किए जा रहे पट्टों से आमजन को बेहद राहत मिलेगी, इसके लिए मैं मुख्यमंत्री को धन्यवाद देता हूं। राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को आर्थिक सहायता व संसाधनों का किया वितरण

92 हजार निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता हस्तांतरित की गई।

डांग, मगरा एवं मेवात क्षेत्रीय योजना के लिए 300 करोड़ रुपये स्वीकृत।

दिव्यांगजनों को पावर ड्रिवन व्हीलचेयर एवं अन्य सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

20 हजार परिवारों को स्वामित्व कार्ड का वितरण कर उन्हें भूमि अधिकार सौंपे गए।

माटी कलाकारों को विद्युत चालित चाक प्रदान किए गए। ग्रामीण विकास को नई गति देने हेतु ई-पोर्टल 2.0 एवं मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान सरकार गरीबों, किसानों, श्रमिकों एवं वंचित वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। यह कार्यक्रम उसी प्रतिबद्धता का एक सशक्त उदाहरण है।

योजनाओं के दिशा-निर्देश

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं की भी घोषणा की, जिनमें पं. दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त ग्राम योजना दादू दयाल समृद्ध सशक्तिकरण योजना दिव्यांगजनों हेतु समान अवसर नीति का क्रियान्वयन गुरु गोविंद सिंह आश्रित ब्लॉक विकास योजना पम्पसेट लैंड योजना के तहत विधायकों हेतु सुविधा केंद्र पी.एच.ई.डी. संरचित मृदा बिजली की 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना मां योजना के तहत नवजात एवं गर्भवती माताओं के लिए पोषण कार्यक्रम शामिल हैं।

जिला स्तरीय अंत्योदय कल्याण समारोह में दिव्यांगजन और श्रमिकों को मिला लाभ

सीएम ने प्रदेशभर के 92 हजार निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपये का डीबीटी हस्तांतरण किया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजस्थान दिवस समारोह के अंतर्गत गुरुवार को जिला स्तरीय अंत्योदय कल्याण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में दिव्यांगजनों, निर्माण श्रमिकों और अन्य पात्र लाभार्थियों को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। जिला स्तरीय अंत्योदय कल्याण समारोह कार्यक्रम का आयोजन नगर परिषद के ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ।

वीसी के माध्यम से जुड़ा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

कार्यक्रम के दौरान भरतपुर में आयोजित राज्य स्तरीय अंत्योदय कल्याण समारोह का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशभर के 92 हजार निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपये का डीबीटी हस्तांतरण किया। साथ ही डांग, मंगरा और मेवात क्षेत्रीय योजना हेतु 300 करोड़ रुपये, दिव्यांगजनों को पावर ड्रिवन व्हीलचेयर एवं अन्य सहायक उपकरण, 20 हजार परिवारों को स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण तथा माटी कलाकारों को विद्युत चालित चाक वितरित किए गए। इसके अलावा ग्रामीण विकास के नये ई-वर्क पोर्टल 2.0 और मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया गया।

जिले के लाभार्थियों को योजनाओं का तोहफा

जिले में आयोजित इस समारोह में कई योजनाओं के तहत आमजन को लाभान्वित किया गया। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा स्वामित्व योजना के तहत 100 लाभार्थियों को पट्टों का वितरण किया गया, जिससे वे अपनी भूमि के वैध स्वामी बन सके। वहीं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने दिव्यांगजनों को 20 ट्राईसाईकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग एड सहित अन्य उपकरण वितरित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाया। वहीं 4 लाभार्थियों को निर्माण श्रमिक कौशल विकास योजना के तहत प्रत्येक को 9 हजार रूपये की राशि का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण किया गया।

इस अवसर पर जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारी देवेंद्र जांगल, पूर्व विधायक बसेड़ी सुखराम कोली सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में बड़ी संख्या मे लाभार्थी और स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे।

आज होगा सुशासन उत्सव

राजस्थान दिवस समारोह के अगले क्रम में जिला स्तरीय सुशासन उत्सव का आयोजन शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से नगर परिषद ऑडिटोरियम में प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के आतिथ्य में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रशासनिक सेवाओं को अधिक सुगम और पारदर्शी बनाने के प्रयासों पर चर्चा की जाएगी।

शार्ट सर्किट के चलते पत्तल दौना फैक्ट्री में लगी आग से लाखों का नुकसान

मशीन और सामान जलकर खाक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» बाड़ी - पत्तल दोना फैक्ट्री में आग लगने के बाद सब कुछ खाक

बाड़ी। शहर के बसेड़ी रोड स्थित राना खां क्षेत्र में स्थित एक पत्तल-दौने के गोदाम में गुरुवार की सुबह 04 बजे बिजली के शार्ट सर्किट से आग लगने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़ित मालिक और लोगों द्वारा आसपास के लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन जब सफलता नहीं मिली तो बाड़ी और बसेड़ी की दमकलों को बुलाया गया। करीब डेढ़ घंटे में उक्त आग लगने की घटना पर कंट्रोल किया गया है। हालांकि इस दौरान गोदाम और फैक्ट्री में रखा सारा सामान और मशीन जलकर खाक हो गई है।

घटना को लेकर पीड़ित पत्तल-दौने की फैक्ट्री के मालिक शहीद खां के जीजा अली हुसैन पुत्र गफूर खान बताया कि वह इस दौरान गोदाम के बाहर ही सोए हुए थे। जब उन्होंने फेक्ट्री से आग की लपेट उठती देखी तो तुरंत लोगों को जगाया साथ में दमकल को भी सूचना दी गई। पहले तो आसपास के घरों से समर पंप लगाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन जब सफलता नहीं मिली तो बाड़ी और बसेड़ी से आई दमकलों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर कंट्रोल किया है। इस दौरान फैक्ट्री में लगी करीब 10 लाख की मशीन और स्टेबलाइजर जलकर खाक हुए हैं साथ मे फैक्ट्री और गोदाम में रखे पत्तल दौने के साथ कच्चा सामान जलकर खाक हुआ है। जिसकी कीमत करीब 15 से 20 लाख रुपये बताई जा रही है।

घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस और राजस्व विभाग की टीम वे मौके पर पहुंची है। आग लगने की घटना में नुकसान का आकलन और कारणों की जांच की जा रही है।

» सरमथुरा - प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों को मिले शील्ड एवं बैनर का विमोचन करते हुए

राजस्थान रोडवेज करेगा अनुबंध आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में बसों का संचालन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

फाइल फोटो

धौलपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा ग्रामीण परिवहन सेवा के प्रस्तावित मार्गों पर बस सेवा को प्रारम्भ किया जायेगा। इसके लिए इच्छुक व्यक्ति एवं फर्म अनुबन्ध पर बस लगाये जाने के लिए राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम कार्यालय धौलपुर से बस संचालन के लिए अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य प्रबंधक राजस्थान परिवहन निगम ने बताया कि ग्रामीण परिवहन सेवा के लिए 1 अक्टूबर 2021 के बाद का रजिस्ट्रेशन होना चाहिए। वाहन संचालन के लिए संचालकों को प्रदत्त मार्गों पर संचालक का एकाधिकार रहेगा। वाहन स्वामी को वाहन पर निगम का लोगो एवं राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की सहभागिता से संचालित अंकित करवाना होगा। वाहन संचालक को निगम के बस स्टैण्डों से वाहन संचालन अनुमत होगा। वाहनों के संचालन के लिए मार्ग एवं अनुज्ञा पत्र निगम द्वारा उपलब्ध करवाये जायेंगे। अनुज्ञा पत्रों का नवीनीकरण अनुबंध अवधि तक वाहन स्वामी को ही करवाना होगा। यात्रियों से वसूल किये जाने वाला किराया 1.50 रुपये प्रति किलोमीटर प्रति सीट निर्धारित किया गया है। वाहन संचालन से संबंधित समस्त खर्चे टैक्स, टोल, डीजल, मरम्मत, चालक, परिचालक इत्यादि वाहन स्वामी के द्वारा ही किये जायेंगे। वाहन से प्राप्त समस्त राजस्व वाहन स्वामी का होगा। वाहन का संचालन राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की सहभागिता से किया जाएगा, जिसकी एवज में वाहन स्वामी द्वारा निगम को न्यूनतम 0.23 रुपये प्रति सीट प्रति किमी प्रति वाहन चालक सीट के अतिरिक्त निगम को देना होगा। सफल निविदादाता का चयन अधिकतम बोली प्रदाता के अनुसार किया जायेगा। वाहन संचालन पर संचालक द्वारा यात्रियों को निगम द्वारा दी जा रही समस्त प्रकार की निःशुल्क एवं रियायती यात्राओं का लाभ दिया जाएगा, जिसका पुनर्भरण यात्रियों को जारी किये गये निःशुल्क एवं रियायती यात्रा टिकट के लिए, निःशुल्क एवं रियायती यात्रा टिकटों की वास्तविक राशि या 90 प्रतिशत यात्री भार पर होने वाले राजस्व का 15 प्रतिशत, जो भी कम होगा वह देय होगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण परिवहन सेवा प्रस्तावित मार्गों पर संचालन की जायेंगी। धौलपुर, बाड़ी मार्ग पर बसईडांग, कस्बानगर, वरपुरा, बाड़री, अलीगड, नोरहा, नगलाबीदोरा, जपावली, सहेड़ी, बाड़ी, धनौरा के लिए, बसेड़ी, ममोधन, धौलपुर मार्ग पर बागथर, भारली, ममोधन, कुनकुटा, सैंपऊ के लिए, धौलपुर, मांगरोल मार्ग पर मांगरौली, मड़ाभाऊ, जाटौली, भैंसेना, तगावली के लिए, राजाखेड़ा, गन्हेदी, धौलपुर मार्ग पर राजाखेडा, बाजना, गन्हेदी, अजीतापुरा, जसूपुरा, बोथपुरा, मनियां के लिए, धौलपुर, बसईनबाव मार्ग पर ओदी, मालोनी, टेहरी, वहरावती, कोलारी, कुरैंधा, सिगौरा, नगलाहरलाल, बसईनबाव, बदरिका के लिए, धौलपुर, बसईनबाव मार्ग पर सैंपऊ, रजोराकला, पिपहैरा, बसईनबाव, सखबारा, मनिया, बिरोंधा के लिए, धौलपुर, झिरी मार्ग पर डौमई, झिरी, सरमथुरा, सौने का गुर्जा, कुदिन्ना, रूधेरा, तालाबसाई, बाड़ी, धनौरा, बिजोली, खनपुरा के लिए बसों का संचालन किया जायेगा।

ग्रामीण परिवहन बस सेवा संचालन के लिए राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम धौलपुर के मुख्य प्रबन्धक के मोबाईल नंबर 9549653211 पर संपर्क कर सकते हैं।

» बाड़ी...मेला आयोजन स्थल को लेकर ज्ञापन देते कांग्रेसी

मेला आयोजन स्थल को लेकर कांग्रेस ने दिया एसडीएम को ज्ञापन

मेले के चलते पार्क की होगी दुर्दशा, ऐसे में अधिकारियों ने किया मौका निरीक्षण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। शहर में आयोजित होने जा रहे चैत्र नवरात्र मेले और नवदुर्गा महोत्सव को लेकर खेल मैदान महाराणा प्रताप पर आयोजन की तैयारी की जा रही है। नगर पालिका मंडल द्वारा उक्त मेले को लेकर पार्षद अमर सिंह पोसवाल के नेतृत्व में मेला कमेटी का भी गठन किया है। ऐसे में महाराणा प्रताप खेल मैदान और उससे सटे पार्क में मेला आयोजन की तैयारी हो रही हैं।

लेकिन मेले में लगने वाले झूले एवं अन्य संसाधनों की सामग्री से खेल मैदान के साथ उससे सटे पार्क में लगे दर्जनों पेड़ टूटने की कगार पर पहुंच गए हैं। जिसको लेकर शहर के नागरिकों और कांग्रेस पार्टी में आक्रोश देखा जा रहा है। इसी आक्रोश को लेकर गुरुवार को उपखंड अधिकारी भगवत शरण त्यागी को कांग्रेस पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष रामेंद्र मीणा के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया है।कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रामेंद्र मीणा, वरिष्ठ पदाधिकारी योगेश अग्रवाल, महिला जिला पदाधिकारी रोशनी शिवहरे एवं अन्य कांग्रेसियों का आरोप है कि खेल मैदान पर यदि मेला आयोजित हुआ तो पूरा पार्क उजड़ जाएगा। यह पार्क शहर का एकमात्र पार्क है। पूर्व में भी नगर पालिका द्वारा उक्त पार्क पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। ऐसे में मेले के झूले और बड़े संसाधन अन्य जगह लगाए जाने चाहिए। मामले को लेकर कहीं पार्षद गण भी मेला आयोजन से पार्क को होने वाले नुकसान से चिंतित है। ऐसे में आज पार्क सहित मेला स्थल का एसडीम भगवत शरण त्यागी, नगर पालिका अध्यक्ष होतम सिंह, अधिशासी अधिकारी श्याम बिहारी गोयल सहित तमाम अधिकारियों ने निरीक्षण किया।

सोच बदलो-गांव बदलो टीम' द्वारा 'शिक्षा पाओ-ज्ञान बढ़ाओ प्रतियोगिता के अंतर्गत पुरस्कार किये वितरण

पुरुस्कार पाकर बरौली और चंबल के बीहड़ों में विद्यार्थी हुए प्रफुल्लित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सरमथुरा। 'सोच बदलो-गांव बदलो टीम' द्वारा जिले भर में आयोजित 'शिक्षा पाओ-ज्ञान बढ़ाओ प्रतियोगिता 2025' के पुरस्कार वितरण कार्यक्रमों की श्रृंखला में सरमथुरा उपखंड के बरौली और भम्पुरा गांव में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। बरौली सर्किल का कार्यक्रम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरौली में किया गया। सर्किल कोऑर्डिनेटर राजवीर मीना ने बताया कि सर्किल स्तरीय कार्यक्रम में बरौली सर्किल के अंतर्गत गांव बरौली, सुनकई, हुलासपुरा, कुमरपुरा, कांसपुरा एवं आस-पास के अन्य गांवों के कुल 107 विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को शील्ड, प्रशस्ति पत्र एवं स्कूल बैग प्रदान कर पुरस्कृत किया गया और अन्य प्रतिभागियों को ज्योमेट्री बॉक्स प्रदान कर शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम में पधारे टीम के कार्यकर्ता रविंद्र खैमरी ने अपने उद्बोधन में सांस्कृतिक पुट देते हुए लोकगीत के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व को बताया और सोच बदलो-गांव बदलो टीम द्वारा किए जा रहे सामाजिक बदलाव के प्रयासों को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यकर्ता विजय ने प्रतियोगिता के उद्देश्यों से अवगत कराते हुए विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं पीईईओ रंगलाल मीना ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सहयोग किया एवं अध्यापक ओमवीर पैलावत ने संचालन में भूमिका निभाई। वहीं सुदूर चम्बल के बीहड़ों में भम्पुरा गांव में भी सर्किल स्तरीय पुरस्कार वितरण कार्यक्रम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भम्पुरा में आयोजित किया गया। सर्किल के अंतर्गत गांव भम्पुरा, झिरी, शंकरपुर एवं आस-पास के अन्य गांवों के कुल 52 प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

बीहड़ों में भी फैल रहा शिक्षा का उजियारा- भरतसिंह

भम्पुरा सर्किल कोऑर्डिनेटर भरतसिंह ने बताया कि सोच बदलो-गांव बदलो अभियान के अंतर्गत टीम द्वारा फैलाए जा रहे शिक्षा के उजियारे की किरणें जिले के सुदूरतम चंबल के बीहड़ वाले क्षेत्रों में भी पहुंच रहीं हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में झिरी-भम्पुरा और आस-पास के गांवों के विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिलता है।

ग्रामीण अंचलों में शैक्षिक चेतना की वाहक बनी सोच बदलो-गांव बदलो टीम

सोच बदलो-गांव बदलो टीम अपने महत्वपूर्ण शैक्षिक प्रकल्प शिक्षा पाओ-ज्ञान बढ़ाओ प्रतियोगिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाने का कार्य कर रही है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षिक चेतना का प्रसार करते हुए विद्यार्थियों में स्वस्थ स्पर्धा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की समझ विकसित करना है। सोच बदलो-गांव बदलो अभियान के सूत्रधार डॉ सत्यपाल सिंह मीना, कमिश्नर आयकर विभाग के मार्गदर्शन में टीम द्वारा शिक्षा पाओ-ज्ञान बढ़ाओ प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष जिले के लगभग सवा सौ गांवों की कुल 28 सर्किलों में किया जाता है। इस वर्ष प्रतियोगिता का आयोजन 2 फरवरी को सर्किल मुख्यालयों पर किया गया। अलवर जिले की रैणी सर्किल में भी इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता कक्षा आठवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। सोच बदलो-गांव बदलो अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण अंचलों में समग्र विकास को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षा,जन-जागरूकता एवं जन सहभागिता के माध्यम से ग्रामीण विकास की अवधारणा को साकार करना है।

दोनों सर्किलों के पुरस्कार वितरण कार्यक्रमों में कोऑर्डिनेटर एवं कार्यकर्ता रवि सुनकई, शिवशंकर, दिनेश, मुकेश हुलासपुरा, धर्मसिंह, श्यामसिंह धनौरा, गजराज, वीरसिंह, मनोज, सूरज लीलौठी, रामेश्वर रविंद्र, मनोज प्रताप, राजेन्द्र, अनिल आस-पास के गांवों के युवा, गणमान्य लोग एवं विद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे।

» धौलपुर - सपा सांसद द्वारा दिये गये टिप्पणी के विरोध में ज्ञापन देते हुए

सपा सांसद द्वारा दिए गए अभद्र टिप्पणी के विरोध में सौंपा ज्ञापन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। सर्व समाज, समस्त सनातन प्रेमी व जिला राजपूत समाज द्वारा जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन के द्वारा देश के महापुरूष वीर योद्धा राणा सांगा पर संसद में अभद्र टिप्पणी करने पर विरोध दर्ज कराते हुए सांसद रामजीलाल सुमन की संसदीय सदस्यता रद्द करने की मांग की। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव से आग्रह किया है कि इस अभद्र टिप्पणी पर समस्त देशवासियों से माफी मांगे। राजा भैया सिकरवार वरिष्ठ भाजपा नेता ने बताया कि वर्तमान में जो तुष्टिकरण की राजनीति की जा रही है वह देश की एकता और अखण्डता के लिए खतरा पैदा होता जा रहा है। देश में साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने से अराजकता फैलने का अंदेशा है। किसी भी प्रकार से साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने नहीं दिया जायेगा। कुछ असामाजिक नेता देश का माहौल बिगाड़ने पर तुले हुए हैं। ज्ञापन देने वालों में राजाभईया, अनूप शकर, विवेक परिहार, प्रांशू ठाकुर, विनय परमार, रिंकु परमार, असीस परमार, अकास परमार, मानवेंद्र सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, अनूप ठाकुर, अमन परमार, अंकित पीडत सहित काफी संख्या में सर्व समाज के लोग मौजूद थे।

प्रभारी मंत्री बेढ़म आज आएंगे धौलपुर, विकास एवं सुशासन उत्सव में करेंगे शिरकत

धौलपुर। राज्य मंत्री गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग व जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म 28 मार्च को धौलपुर आएंगे। जिला प्रभारी मंत्री बेढ़म मध्याह्न 12 बजे से नगर परिषद टाउनहॉल में आयोजित होने वाले विकास एवं सुशासन उत्सव में शिरकत करेंगे।

प्ले स्कूल की तर्ज पर विकसित हुई आंगनवाड़ी एसबीआई कार्ड का मिला सहयोग

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं को बेहतर करने के सरकार और विभागों के प्रयासों के साथ सी एस आर और स्वयं सेवी संस्था भी अपना सहयोग कर रही है। महिला बाल विकास विभाग के साथ मिलकर एस बी आई कार्ड के सहयोग से मंजरी फाउंडेशन ने सैपऊ ब्लॉक की परोआ ग्राम पंचायत के लुधपुरा की आंगनवाड़ी को प्ले स्कूल मे बदल दिया। एसबीआई कार्ड के सहयोग से ग्रामीण विकास परियोजना के अंतर्गत एस डी जी के लक्ष्य और नई शिक्षा नीति और बाला कांसेप्ट को ध्यान मे रखते हुए इस आंगनवाड़ी को प्ले स्कूल की तर्ज पर विकसित किया गया है। आंगनबाड़ी की दीवारों पर बेहतरीन चित्रकारी की गई है जिससे बच्चे खेल खेल में सीख सकेंगे। इसी के साथ साथ बच्चों के खेलने के लिए खिलौने, बैठने के लिए स्टूल, मेज, कॉरपेट, पानी का कैम्फर वजन तोलने की मशीन, डस्टबिन आदि भी उपलब्ध करवाए गए है। पूरी आंगनवाड़ी सीसीटीवी की जद मे है, बच्चों और महिलाओं के लिए शौचालय बनवाया गया है, पोषण और बाल वाटिका भी विकसित की गई है।

ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि जवाहर सिंह कुशवाहा ने बताया कि आकर्षक आंगनवाड़ी केंद्र से न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण सेवाएं और बेहतर होंगी बल्कि बच्चों को भी अपनी तरफ आकर्षित कर रही है। आंगनबाड़ी के बच्चों को स्कूल बैग, जूते, पानी की बोतल आदि भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

नई शिक्षा नीति पर आधारित है आंगनवाड़ी

आंगनवाड़ी को आकर्षक, स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के राष्ट्रीय शिक्षा नीति और बाला कांसेप्ट पर चित्रकारी कराने के साथ साथ बेहतर सुविधा और वातावरण मिलने से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े सकेंतको मे सुधार होगा।

भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक एवं रथयात्रा महोत्सव 10 अप्रेल को

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक एवं रथयात्रा महोत्सव महावीर जयंती सकल जैन समाज धौलपुर द्वारा 10 अप्रैल हर्ष उल्लास एवं भक्ति भाव के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर पुरानी सब्जी मंडी स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। भगवान महावीर स्वामी जयंती शोभायात्रा में भगवान महावीर स्वामी के जीवन दर्शन पर आधारित 15 झांकियां स्वर लहरियां बिखेरते हुए 4 बैंड, ढोल, नगाड़े, घोड़े बगिया आदि शामिल होंगी। शोभायात्रा का पूर्व से निर्धारित मार्ग शोभायात्रा श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पुरानी सब्जी मंडी से प्रातः 9 बजे प्रारंभ होकर पुरानी सब्जी मंडी, नरसिंह रोड, तोप तिराहे, बजरिया रोड, बजरिया चोराहा, गडरपुरा रोड, पुराना राजाखेड़ा बस स्टेंड रोड,पुराना डाकखाना चोराहा, सेठ प्रताप सिंह मार्ग, हलवाई खाना मार्ग, हनुमान तिराहे होती हुई महावीर स्वामी शोभायात्रा का लगभग दोपहर 3 बजे जैन मन्दिर पर समापन होगा। जैन समाज धौलपुर के अध्यक्ष धनेश जैन ने शोभायात्रा मार्ग की क्षतिग्रस्त सड़कें, लूज विद्युत लाइने, शोभायात्रा मार्ग की साफ-सफाई, सुरक्षा के साथ महावीर स्वामी की जयंती के दिन सरकार द्वारा पूर्व से प्रसारित आदेश पशुवध मांस विक्रय पर रोक की पालना सुनिश्चित करने का अनुरोध प्रशासन एवं नगर परिषद धौलपुर से किया है।

डिस्कॉम एक्सईएन की जनसुनवाई में आए 74 प्रकरण, 54 उपभोक्ताओं ने जमा कराया पुराना बिल

डिस्कॉम को मिला 8 लाख का राजत्व

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जयपुर डिस्कॉम के एक्सईएन विवेक शर्मा ने एस ई राजेश वर्मा के निर्देशन में मचकुंड रोड धौलपुर कार्यालय पर जनसुनवाई की। जिसमें बिजली बिल के 74 प्रकरण आए। कटे हुए बिजली उपभोक्ताओं ने बढ चड़कर भाग लिया, इस मौकै पर डिस्कॉम ने कंप्युटर लगाया जिसमें पुराना रिकार्ड उपलब्ध कराया गया। बिल मे समस्याओ को सुना गया व बिल संशोधित कर मौके पर बिल जमाया कराए गए। 54 पुराने कटे हुए उपभोक्ताओं ने बिल जमा कराया, जिससे डिस्कॉम को 8 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। एक्सईएन विवेक शर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 मे डिस्कॉम द्वारा निर्धारित 100 प्रतिशत राजस्व वसूली लक्ष्य को प्राप्त के लिए, व उपभोक्ताओं की बिल समस्याओं का समाधान करने के लिए, विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई 11 से 4 बजे तक चली। जनसुनवाई में 15 से 20 वर्ष पुराने बिजली कनेक्शन के बिल संबंधित प्रकरण भी आए, जिनका निस्तारण कर उपभोक्ताओं को राहत दी गयी। एक्सईएन ने कटे हुए उपभोक्ताओं से अपील की कि वो अब कनेक्शन नए कनेक्शन लें जिससे गर्मियों मे समस्या ना हो। इस दौरान एआरओ गणेश झा, निशार खान, अफरोज खान, समीर खान व उपभोक्ता मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक - चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए आकाशदीप प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म, जयपुर (राज.) राजस्थान से मुद्रित एवं जी-1, गंगासागर अपार्टमेंट, बी-192, गंगासागर कॉलोनी, आम्रपाली मेन रोड, वैशाली नगर जयपुर (राज.) से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2013/48948
प्रधान सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे मोबा. 9425126060 । स्थानीय संपादक गौतम गोस्वामी मोबा. 9772455444, प्रबंध संपादक बेनी प्रकाश खोरानिया मोबा. 9549977995 : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेवार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर न्यायालय होगा।